RNI NO. PUNBIL/2014/59416 UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

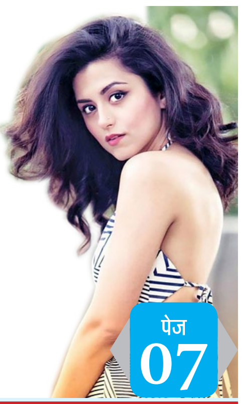

मुंबई की लोकल ट्रेन में गुजरे मेरे संघर्ष के दिन : रिद्धि डोगरा

पेज 07

VOL: 03 | ISSUE 162 | SUNDAY DATE 05-07-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

मोदी ने जोधपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का किया उद्घाटन, 'उड़ान' योजना भी लॉन्च

» जोधपुर, यूटर्न/ 04 जुलाई ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राजस्थान के जोधपुर में एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने जोधपुर में संशोधित 'उड़ान' योजना भी लॉन्च की। प्रधानमंत्री मोदी ने जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचने के बाद नए टर्मिनल निरीक्षण किया। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने नए टर्मिनल के बारे में उन्हें जानकारी दी। इसके बाद

प्रधानमंत्री ने टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। इस परियोजना को कुल 480 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया गया है। 23,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में फैला यह नया टर्मिनल भवन हर साल 20 लाख यात्रियों को संभालने में सक्षम है। यह आधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित है, ताकि यात्रियों को सुगम और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिल सके। राजस्थान की शाही विरासत से प्रेरित वास्तुकला के आधार पर निर्मित यह टर्मिनल मेहराब और झरोखों जैसे पारंपरिक तत्वों को समकालीन डिजाइन के साथ खूबसूरती से समाहित करता है। ऊर्जा-कुशल प्रणालियों, जल संरक्षण उपायों और हरित भवन निर्माण पद्धतियों जैसी विशेषताओं के साथ, सतत विकास टर्मिनल के डिजाइन का अभिन्न अंग रहा है, जिसका उद्देश्य 5-स्टार जीआरआईएचए रेटिंग प्राप्त करना है। जोधपुर हवाई अड्डे पर नए टर्मिनल भवन के उद्घाटन से क्षेत्र में पर्यटन, व्यापार और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही, पीएम मोदी ने 'उड़ान योजना' लॉन्च की। इस योजना के तहत 28,840 करोड़ का आवंटन किया गया है, जिसका उद्देश्य अगले 10 सालों में विमानन-आधारित विकास को गति देना है। यह रणनीतिक पहल सुनिश्चित करेगी कि देशभर में व्यापक और स्थायी कनेक्टिविटी कायम रहे।

संक्षिप्त खबरें

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त तक चलेगा

नई दिल्ली, यूटर्न/ 04 जुलाई । संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा कि भारत सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 20 जुलाई से 13 अगस्त तक संसद के दोनों सदनों की बैठक बुलाने को मंजूरी दे दी है। संसदीय परिपाटी के मुताबिक मानसून सत्र दोनों सदनों के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण के साथ शुरू होगा। दोनों सदनों में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा भी कराई जाएगी। करीब तीन सप्ताह के इस मानसून सत्र में सरकार कई अहम विधेयकों को पारित कराने का प्रयास करेगी।

राम मंदिर के बाद अब बद्रीनाथ धाम में भी चढ़ावा चोरी?

नई दिल्ली, यूटर्न/ 04 जुलाई अयोध्या में राम मंदिर से चढ़ावा चोरी मामले में दोषी कौन है इसका खुलासा होता इससे पहले बदरीनाथ धाम में चढ़ावा चोरी का मामला उजागर हो गया है। यहां मामला सामने आते ही बीकेटीसी ने जांच बैठाते हुए कर्मचारियों को नोटिस थमाकर जवाब मांगा है। अब भक्तों के मन में एक ही सवाल है कि आखिर मंदिर चढ़ावा चोरी की सक्रिय गैंग पर लगाम कब लगेगी। राम मंदिर में दान चोरी का मामला अभी पूरी तरह सुलझ भी नहीं पाया था कि विश्व प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम से चढ़ावे में हेरफेर के चौंकाने वाले आरोप सामने आए हैं। इन दिनों सोशल मीडिया पर एक पत्र तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि बदरीनाथ धाम में आने वाले दान और चढ़ावे की रकम में गड़बड़ी की जा रही है। इन बढ़ते आरोपों को गंभीरता से लेते हुए बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने तत्काल प्रभाव से जांच के आदेश दे दिए हैं।

राम मंदिर चंदा चोरी के सवाल पर अविमुक्तेश्वरानंद बोले, चंपत राय को जेल में नहीं डाला तो जनता पीटेगी

लखीमपुर, यूटर्न/ 04 जुलाई । स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने लखीमपुर-खीरी में राम मंदिर चंदा चोरी के सवाल पर कहा- आप लोग कह रहे हो कि चोरी हुई है। हम कह रहे हैं कि भगवान राम ने इनकी कलई खोल दी। ये नकली हिंदू हैं। हिंदू-हिंदू कहकर आए थे, हिंदू भावनाओं पर इन्होंने कब्जा किया। न तो गाय की रक्षा की, न गंगा न मंदिरों की रक्षा कर पाए। ये लोग भगवान को भी धोखा देने में लगे हैं। इंसानों की क्या बात है। जिन पर एफआईआर हुई है वह अपने मन से कुछ नहीं कर सकते। जो नोट को सीधा करके उस पर रबर लगाने वाले लोग हैं, उनकी हिम्मत है कि वे चोरी कर सकें। जब तक उनके ऊपर का अधिकारी इशारा न करें कि ये करो, तब तक वह कुछ कर पाएंगे।

चंपत राय के ट्रस्ट से इस्तीफा देने को लेकर शंकराचार्य ने कहा- इतने बड़े भगवान के दरबार में चोरी करके इस्तीफा देने से छुट्टी मिल जाएगी। ये क्या नाटक बना रखा है। पीटे जाओगे, अगर सरकार ने इनको जेल में नहीं डाला और सही सजा नहीं दिलवाई तो जनता इनको पीटेगी। इनके साथ कड़ाई से बर्ताव होना चाहिए। ये लोग अपराधी हैं। करोड़ों हिंदुओं के अपराधी हैं। भगवान राम के अपराधी हैं। इन्होंने आर्थिक अपराध किया है।

पश्चिम एशिया में राहत

दिल्ली सरकार ने वर्क-फ्रॉम-होम हटाया

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 04 जुलाई ।

पश्चिम एशिया में हालात सामान्य होने और अमेरिका तथा ईरान के बीच सीजफायर की खबरों के बाद दिल्ली सरकार ने कर्मचारियों के लिए लागू वर्क फ्रॉम होम व्यवस्था और अलग-अलग कार्यालय समय (स्टैगर्ड ऑफिस टाइमिंग) को समाप्त करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को इस प्रस्ताव को मंजूरी दी।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'अब जबकि पश्चिम एशिया की भू-राजनीतिक स्थिति लगभग सामान्य हो चुकी है, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार और शनिवार को लागू वर्क फ्रॉम होम व्यवस्था को वापस लेने की मंजूरी दे दी है।'

इस फैसले के बाद अब दिल्ली सरकार के सभी कर्मचारी पहले की तरह नियमित समय पर सुबह 10 बजे से शाम 6:30 बजे तक कार्यालय में काम करेंगे। हालांकि, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के कर्मचारियों के कार्यालय समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है। उनके दफ्तर पहले की तरह सुबह 8:30 बजे से शाम 5 बजे तक ही संचालित

होंगे। दिल्ली सरकार ने यह हाइब्रिड कार्य व्यवस्था इसी साल मई में लागू की थी। इसके तहत सरकारी कर्मचारियों को सप्ताह में दो दिन घर से काम (वर्क फ्रॉम होम) करने की अनुमति दी गई थी।

यह फैसला उस समय लिया गया था, जब अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी। इसी दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईंधन के जिम्मेदार उपयोग और सरकारी खर्च में बचत की अपील की थी।

इसके बाद दिल्ली सरकार ने ईंधन बचाने के उद्देश्य से कई अहम कदम उठाए थे। सरकारी बैठकों में से लगभग आधी बैठकों को वर्चुअल मोड में आयोजित किया गया, ताकि अधिकारियों की यात्रा कम हो और ईंधन की बचत हो सके। साथ ही दिल्ली सरकार और एमसीडी के विभिन्न विभागों में अलग-अलग कार्यालय समय लागू किया गया था, जिससे पीक आवर्स में ट्रैफिक कम हो और ईंधन की खपत घटाई जा सके।

सरकार ने अधिकारियों के लिए सरकारी वाहनों के उपयोग पर भी रोकथाम के कदम उठाए थे। उनके लिए मासिक पेट्रोल कोटा 20 प्रतिशत कम कर दिया गया था, यानी 200 लीटर की निर्धारित सीमा में कटौती की गई।

उपमुख्यमंत्री शिंदे की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

लगातार व्यस्तता, थकान और वायरल बुखार के चलते बिगड़ी सेहत, सभी कार्यक्रम रद्द

मुंबई, यूटर्न/ 04 जुलाई । महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें ठाणे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर है और विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के चलते उन्होंने अपने सभी निर्धारित सार्वजनिक कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से लगातार राजनीतिक व्यस्तताओं और विधानमंडल के चल रहे अधिवेशन के कारण एकनाथ शिंदे पर काम का अत्यधिक दबाव था। इसी दौरान उन्हें बुखार और कमजोरी महसूस होने लगी। इसके बावजूद उन्होंने कुछ निर्धारित कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए ठाणे का दौरा किया, लेकिन स्वास्थ्य अधिक खराब होने पर उन्हें कार्यक्रम बीच में ही रद्द करने पड़े। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच के बाद शिंदे को घर पर आराम करने के बजाय अस्पताल में भर्ती होकर उपचार कराने की सलाह दी। इसके बाद शुक्रवार देर रात उन्हें ठाणे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों का कहना है कि अत्यधिक थकान, वायरल बुखार और कमजोरी के कारण उनकी तबीयत प्रभावित हुई है।

सौरभ भारद्वाज के खिलाफ अवमानना मामले में प्रवेश वर्मा का बयान दर्ज

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 04 जुलाई ।

आप नेता सौरभ भारद्वाज के खिलाफ दाखिल आपराधिक अवमानना के मामले में दिल्ली सरकार के मंत्री और भाजपा नेता प्रवेश वर्मा ने राउज एवेन्यू कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराया। इस मामले में 15 जुलाई को प्रवेश वर्मा की ओर से गवाहों के बयान दर्ज किए जाएंगे। दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा ने अपने बयान में अदालत के सामने कहा कि मैं नई दिल्ली से विधायक हूं। वर्तमान सरकार में मंत्री हूं। मेरे पिता दिल्ली के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। मेरा और मेरे परिवार का एक सम्मान है। मेरे खिलाफ कोई आपराधिक मामला नहीं है। सौरभ भारद्वाज जो आम आदमी पार्टी के दिल्ली अध्यक्ष हैं, उन्होंने सोशल मीडिया (एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम) पर हमारे खिलाफ बेबुनियाद

आरोप लगाए, जिससे हमारी प्रतिष्ठा को नुकसान हुआ। सौरभ भारद्वाज ने बयान के जरिए हमारे परिवार और हमारी इमेज को नुकसान पहुंचाया। मेरे साथियों और मेरी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मुझे फोन कर बताया कि सौरभ भारद्वाज ने मेरी प्रतिष्ठा के खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाए हैं।

रक्षा उत्पादन और निर्यात ने बनाया नया रिकॉर्ड, 'मेक इन इंडिया' पर दुनिया का बढ़ा भरोसा: राजनाथ सिंह

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 04 जुलाई ।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन वित्त वर्ष 2025-26 में सर्वकालिक उच्च स्तर 1.78 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है, जो वित्त वर्ष 2014-15 की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक है। वहीं, रक्षा निर्यात भी बढ़कर 38,000 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है, जो वित्त वर्ष 2013-14 के 686 करोड़ रुपए के मुकाबले लगभग 57 गुना की वृद्धि को दशाता है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि 'मेक इन इंडिया' प्लेटफॉर्म पर दुनिया के बढ़ते भरोसे का प्रमाण है। एक मीडिया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने कमी से आत्मनिर्भरता, आत्मनिर्भरता से आत्मविश्वास और आत्मविश्वास से 'विकसित भारत' की दिशा में मजबूत कदम

बढ़ाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' की नीति के जरिए विकसित भारत की मजबूत नींव रख रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि सरकार के चौथे कार्यकाल तक दुनिया एक 'विकसित भारत' का उदय देखेगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि जब 2014 में 'मेक इन इंडिया' अभियान शुरू किया गया था, तब कई लोगों ने इसे असफल बताया था।

मोबाइल स्नैचिंग और टप्पेबाजी गिरोह का भंडाफोड़, 3 आरोपी गिरफ्तार; 28 मोबाइल और स्कूटी बरामद

» **नोएडा, यूटर्न/ 04 जुलाई ।**

नोएडा के थाना सेक्टर-63 पुलिस ने मोबाइल स्नैचिंग, चोरी और टप्पेबाजी की घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक सक्रिय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से स्नैचिंग, चोरी और टप्पेबाजी के 28 मोबाइल फोन, दो अवैध चाकू तथा दिल्ली से चोरी की गई एक स्कूटी बरामद की गई है।

पुलिस के अनुसार, 4 जुलाई को थाना सेक्टर-63 पुलिस ने एच ब्लॉक क्षेत्र में अभियान चलाकर रोहित कुमार, गौरव कुमार और रवेन्द्र को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान

आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे संगठित तरीके से मोबाइल फोन चोरी, टप्पेबाजी और स्नैचिंग की वारदातों को अंजाम देते थे। तीनों आरोपी भीड़भाड़ वाले स्थानों जैसे मेट्रो स्टेशन, बस स्टैंड और बाजारों में लोगों की असावधानी का फायदा उठाकर मोबाइल फोन चोरी करते थे।

वहीं, रात के समय सुनसान इलाकों में राहगीरों को निशाना बनाकर मोबाइल फोन छीनने की घटनाओं को अंजाम देते थे। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी चोरी किए गए मोबाइल फोन इकट्ठा कर उन्हें बेहद कम कीमत पर राह चलते लोगों को अपनी मजबूरी का हवाला देकर बेच देते थे, ताकि किसी को उन पर संदेह न हो। आरोपियों के इस तरीके से कई लोगों को सस्ते मोबाइल के नाम पर ठगा भी जाता था। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से कुल 28 चोरी और स्नैचिंग किए गए मोबाइल फोन, दो अवैध चाकू तथा दिल्ली के कोतवाली नॉर्थ क्षेत्र से चोरी की गई स्कूटी बरामद हुई है।

पुलिस के अनुसार, स्कूटी के संबंध में दिल्ली में पहले से मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तार आरोपियों में रोहित कुमार (28 वर्ष) मूल रूप से गाजियाबाद का रहने वाला है और बीए पास होने के साथ प्लंबर का काम करता है। दूसरा आरोपी गौरव कुमार (31 वर्ष) बुलंदशहर का निवासी है तथा एक हेलमेट निर्माण कंपनी में कार्यरत है।

तीसरा आरोपी रवेन्द्र (36 वर्ष) बदायूं का रहने वाला है और ई-रिक्शा चलाता है। पुलिस का कहना है कि तीनों आरोपी रोजगार करने के साथ-साथ आपराधिक गतिविधियों में भी शामिल थे। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपियों के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इनमें चोरी, स्नैचिंग, अवैध हथियार रखने, आबकारी अधिनियम और अन्य धाराओं के मामले शामिल हैं।

ग्रेटर नोएडा में ड्रग्स तस्करी का बड़ा खुलासा विदेशी मास्टरमाइंड समेत तीन गिरफ्तार

» **ग्रेटर नोएडा, यूटर्न/ 04 जुलाई**

गौतमबुद्धनगर पुलिस ने ड्रग्स तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक विदेशी नागरिक समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना बीटा-2 पुलिस और एसओजी (ग्रेटर नोएडा) की संयुक्त टीम ने गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपियों को सेक्टर चाई-4 स्थित जनता फ्लैट सर्विस रोड से गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से 143 ग्राम एमडीएमए (एमडीएमए) ड्रग्स, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 14 लाख रुपए बताई जा रही है, एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू, एक स्कूटी और 17,500 रुपए नकद बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अरुण कसाना निवासी गाजियाबाद, अतुल सिंह निवासी सम्पूर्णम सोसाइटी, ग्रेटर नोएडा तथा नाइजीरियाई नागरिक चिडुबेम स्टेनली के रूप में हुई है। विदेशी आरोपी वर्तमान में दिल्ली के उत्तम नगर में रह रहा था, जबकि उसका स्थायी पता लागोस, नाइजीरिया का है।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी लंबे समय से संगठित तरीके से ड्रग्स तस्करी में लिप्त थे। गिरोह सस्ते दामों पर एमडीएमए खरीदकर उसे छोटी-छोटी पुड़ियों में पैक करता था और फिर दिल्ली-एनसीआर, नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा की विभिन्न सोसाइटियों में ऊंचे दामों पर बेचकर मोटा मुनाफा कमाता था।

पुलिस का कहना है कि इस गिरोह का संचालन मुख्य रूप से विदेशी नागरिक चिडुबेम स्टेनली कर रहा था, जिसे इस नेटवर्क का मास्टरमाइंड माना जा रहा है। जांच में यह भी सामने आया है कि चिडुबेम स्टेनली पहले भी वर्ष 2025 में दिल्ली में एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज एक मामले में गिरफ्तार होकर जेल जा चुका है। फिलहाल वह उस मामले में जमानत पर बाहर था और दोबारा ड्रग्स तस्करी के नेटवर्क को सक्रिय कर चुका था। बरामदगी में 143 ग्राम एमडीएमए, एक इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल तराजू, यूपी-14-एचई-2973 नंबर की स्कूटी तथा 17,500 रुपए नकद शामिल हैं। पुलिस का मानना है कि नकदी ड्रग्स की बिक्री से प्राप्त हुई हो सकती है।

दिल्ली सरकार ने फाइनेंस और अकाउंट्स डिपार्टमेंट में किया फेरबदल, 52 अधिकारियों का तबादला

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 04 जुलाई**

दिल्ली सरकार ने शनिवार को अपने फाइनेंस और अकाउंट्स डिपार्टमेंट में एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया, जिसका मकसद शासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता को मजबूत करना था।

ट्रांसफर और पोस्टिंग पॉलिसी के तहत 52 अधिकारियों का तुरंत प्रभाव से तबादला कर दिया गया, जो एक ही पोस्टिंग पर पांच साल या उससे अधिक समय से काम कर रहे थे।

इन तबादलों में 23 डिप्टी कंट्रोलर ऑफ अकाउंट्स और 29 सीनियर अकाउंट्स ऑफिसर शामिल हैं। इसके अलावा, 19 सीनियर अकाउंट्स ऑफिसर को डिप्टी कंट्रोलर ऑफ अकाउंट्स के पद पर प्रमोट किया गया है। दिल्ली सरकार ने कहा कि यह कदम मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की पारदर्शी और जवाबदेह शासन की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। इस फेरबदल का मकसद प्रशासनिक दक्षता में सुधार करना, वित्तीय प्रबंधन को मजबूत करना और दिल्ली में फाइनेंस और अकाउंट्स डिपार्टमेंट के कामकाज में अधिक पारदर्शिता, जवाबदेही और सक्रियता लाना है। नई व्यवस्था के तहत प्रमोट किए गए 19 सीनियर अकाउंट्स ऑफिसर दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों में डिप्टी कंट्रोलर ऑफ अकाउंट्स के तौर पर बढ़ी हुई

जिम्मेदारियां संभालेंगे।

दिल्ली सरकार के अनुसार, ये तबादले और पोस्टिंग पूरी तरह से प्रशासनिक जरूरतों के आधार पर किए गए हैं, जिनका मकसद सिस्टम में ईमानदारी, पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ावा देना है।

प्रशासन को और बेहतर बनाने के लिए, 23 डिप्टी कंट्रोलर ऑफ अकाउंट्स और 29 सीनियर अकाउंट्स ऑफिसर को नई जिम्मेदारियां भी सौंपी गई हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार एक ऐसा प्रशासनिक सिस्टम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जो पारदर्शिता, जवाबदेही, दक्षता और सुशासन के उच्चतम मानकों को बनाए रखे। उन्होंने जोर दिया कि शासन के किसी भी स्तर पर ढिलाई, लापरवाही या भ्रष्टाचार के लिए कोई जगह नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि फाइनेंस और अकाउंट्स डिपार्टमेंट में यह बड़ा फेरबदल दिल्ली सरकार की उस व्यापक कोशिश का हिस्सा है, जिसका मकसद अधिक जवाबदेह, परिणाम-उन्मुख और नागरिक-केंद्रित कार्य संस्कृति बनाना है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मुताबिक, समय पर निर्णय लेने, प्रभावी वित्तीय प्रबंधन और जवाबदेह प्रशासन से सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी आएगी और साथ ही यह सुनिश्चित होगा कि सार्वजनिक सेवाएं अधिक पारदर्शी और कुशल तरीके से लोगों तक पहुंचें। दिल्ली सरकार ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे तत्काल प्रभाव से अपनी नई पोस्टिंग वाली जगहों पर कार्यभार संभालें और उसी के अनुसार अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें।

स्वस्थ दिखने वाले युवा भी हो सकते हैं बीमार

शुगर, बीपी और खून की कमी से बीमारियां बेशुमार

» **हरियाणा, यूटर्न/ 04 जुलाई ।**

एक विशेष सर्वे में संपन्न राज्य हरियाणा के अग्रणीय शहर पानीपत में जनवरी 2026 से मई 2026 तक रक्तदान ब्लड डोनेशन कैंप शिवरों में 3500 में से 750 युवा बीमार मिले। अधिकतर में शुगर बीपी और खून की कमी मिली ।

पूरे भारत का आंकड़ा 25% को भी पार कर सकता है। यदि युवा शक्ति का यह हाल है तो शेष बच्चे, बूढ़े और माताओं का पूर्ण स्वास्थ्य कहां ??

यही कारण है, सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर मरीजों की भीड़ लगी रहती है।

विशेष:- कोई राष्ट्र धन, समय और मानव ऊर्जा के सही उपयोग से ही प्रगति कर सकता है।

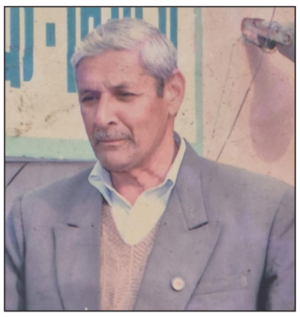

परंतु आज की युवा जेनरेशन महंगाई और बेरोजगारी से त्रस्त और पथभ्रष्ट होती जा रही है ।पौष्टिक आहार से दूर होकर स्वाद के चक्कर में जंक फूड और नशीले पदार्थों की आदि होता जा रही है ।परिणाम स्वरुप आज का युवा चोरी जारी लूट डकैती पर उतरने पर मजबूर हो गया है ।अतः समय पैसा और कार्य, सब विनाश की ओर।

चिड़िया चुग जाए खेत, जब फिर काहे का शोर।।

प्रेरक
डॉ. दीवान सिंह
(गढ़वाली, जींद)

डीसीपी ने कांवड़ यात्रा की तैयारी का लिया जायजा, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

» **ग्रेटर नोएडा, यूटर्न/ 04 जुलाई**

आगामी कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से गौतमबुद्धनगर पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन एवं अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. राजीव नारायण मिश्र के पर्यवेक्षण में शुक्रवार को पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) ग्रेटर नोएडा रवि शंकर निम ने अपर पुलिस उपायुक्त संतोष कुमार के साथ थाना कासना, दनकौर और रबूपुरा क्षेत्र में कांवड़ मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया।

इस दौरान सुरक्षा, यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कांवड़ मार्ग पर बैरिकेडिंग, डायवर्जन प्वाइंट, संवेदनशील स्थलों की सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल, चिकित्सा सहायता, पार्किंग तथा श्रद्धालुओं के लिए की जा रही अन्य व्यवस्थाओं का

गहन निरीक्षण किया। अधिकारियों ने संबंधित विभागों और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ मार्ग पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण या अवरोध न रहने पाए और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध तरीके से पूरी कर ली जाएं। डीसीपी ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान लगातार पुलिस गश्त सुनिश्चित की जाए तथा संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए। यातायात व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने के भी निर्देश दिए गए। साथ ही किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक संसाधनों और सुरक्षा व्यवस्थाओं को पहले से तैयार रखने पर विशेष जोर दिया गया, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम यात्रा का अनुभव मिल सके।

वहीं, पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन तथा डीसीपी एवं एडीसीपी सेंट्रल नोएडा के पर्यवेक्षण में एसीपी-1 सेंट्रल नोएडा श्रीमती दीक्षा सिंह ने थाना सेक्टर-63 में शांति समिति एवं संभ्रांत नागरिकों के साथ गोष्ठी आयोजित की। बैठक में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, डीजे संचालकों और कांवड़ शिविर आयोजकों से संवाद कर उन्हें प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की गई। एसीपी दीक्षा सिंह ने कहा कि सभी नागरिक शांति एवं सौहार्द बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें और किसी भी प्रकार से कानून-व्यवस्था प्रभावित न होने दें। उन्होंने डीजे संचालकों को निर्धारित नियमों का पालन करने की हिदायत दी, जबकि शिविर आयोजकों से कहा कि कांवड़ शिविर केवल चिन्हित स्थानों पर ही लगाए जाएं, ताकि यातायात बाधित न हो।

बरसात के मौसम को देखते हुए उन्होंने शिविरों में लगे विद्युत उपकरणों की नियमित जांच करने, सुरक्षा मानकों का पालन करने तथा प्रत्येक शिविर में आपातकालीन मेडिकल किट उपलब्ध रखने के निर्देश दिए।

साथ ही संबंधित अधिकारियों को कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था को पूरी तरह सुचारु बनाए रखने और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए।

सरकार महिलाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं रोजगार देने वाला बनना चाहती है : उपायुक्त

स्वरोजगार को मिलेगा नया बल, पात्र महिलाओं को रियायती ब्याज पर 5 लाख तक का ऋण

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 04 जुलाई । हरियाणा सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से मातृशक्ति उद्यमिता योजना संचालित कर रही है। इस योजना के माध्यम से पात्र महिलाओं को अपना स्वरोजगार स्थापित करने के लिए 5 लाख रुपये तक का ऋण रियायती ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य महिलाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाना है। यह योजना महिलाओं के सपनों को साकार करने के साथ-साथ उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने पात्र महिलाओं से अपील की कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपना व्यवसाय शुरू करें और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भागीदार बनें। डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि योजना का लाभ 18 से 60 वर्ष आयु वर्ग की हरियाणा निवासी पात्र महिलाओं को दिया जाएगा, जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय निर्धारित सीमा के भीतर हो तथा वे किसी बैंक की ऋण डिफॉल्टर न हों। योजना के तहत महिलाएं ऑटो-रिक्शा, ई-रिक्शा, टैक्सी, ब्यूटी पार्लर, बुटीक, टेलरिंग, फूड स्टॉल, टिफिन सर्विस, पापड़, अचार, बिस्कुट, आइसक्रीम निर्माण, फोटोकॉपी, मिट्टी के बर्तन सहित विभिन्न स्वरोजगार गतिविधियां शुरू कर सकती हैं।

विद्यार्थियों कानून को जानकर सुरक्षित रहें और जिम्मेदार नागरिक बनें : शेर सिंह

एस.टी. थॉमस कॉन्वेंट स्कूल में सड़क सुरक्षा, पॉश, पोक्सो व डॉग बाइट जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पुलिस व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने विद्यार्थियों को दिए सुरक्षा के गुर

» अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 04 जुलाई । विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में सुरक्षा, अनुशासन और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एसटी थॉमस कॉन्वेंट स्कूल, लोटस ग्रीन सिटी, सेक्टर-09, कुरुक्षेत्र में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा, पॉश अधिनियम, पोक्सो अधिनियम एवं डॉग बाइट जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के विशेषज्ञों ने छात्र-छात्राओं को कानूनी अधिकारों और आपातकालीन स्थितियों में बरते जाने वाले कदमों की विस्तृत जानकारी दी। विद्यालय की प्रबंध निदेशक अंजली मरवाह व प्रधानाचार्या रजनी वर्मा, उप निदेशक कार्तिकेय मरवाह और इंचार्ज दीपक कुमार ने मुख्य अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कुरुक्षेत्र पुलिस के रोड सेफ्टी इंचार्ज शेर सिंह ने यातायात नियमों का पालन करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग अनिवार्य है। किसी भी 18 वर्ष से कम आयु के विद्यार्थी वाहन न चलाएं।

उन्होंने कहा कि पॉश अधिनियम 2013 के तहत कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा और पोस्को अधिनियम 2012 के तहत बच्चों को लैंगिक अपराधों से संरक्षण के प्रावधानों के बारे में बताया। उन्होंने साइबर सुरक्षा, गुड टच-बैड टच की पहचान और किसी भी प्रकार के उत्पीड़न की स्थिति में 112, 1098 हेल्पलाइन पर शिकायत करने के अधिकारों से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों से आ'ान किया कि वे सुरक्षित, अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनें। कार्यक्रम संयुक्त सीनियर मेडिकल ऑफिसर *डॉ. कृष्ण दत्त ने सड़क दुर्घटना में 'गोल्डन ऑवर' के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को बुनियादी प्राथमिक उपचार, घायल को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने और पीएम राहत योजना व राजवीर योजना के तहत मिलने वाली सहायता की जानकारी दी।

डॉ. दत्त ने डॉग बाइट जागरूकता पर कहा कि कुत्ते के काटने पर तुरंत 15 मिनट तक घाव को साबुन और बहते पानी से धोएं, एंटी-रेबीज के 5 टीके समय पर लगवाएं और किसी झाड़-फूंक के चक्कर में न पड़ें। उन्होंने आवारा पशुओं से दूरी बनाए रखने और आपात स्थिति में शांत रहकर सही निर्णय लेने की सलाह दी। प्रबंध निदेशक अंजली मरवाह ने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों में अनुशासन, जिम्मेदारी और सुरक्षा के प्रति सजगता विकसित करते हैं। हमारा उद्देश्य केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण तैयार करना भी है।

लाडो लक्ष्मी योजना का दायरा बढ़ेगा, 1 लाख 80 हजार रुपए वार्षिक आय वाले भी होंगे शामिलः कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा

बरवाला में संत शिरोमणि कबीर दास जी महाराज के नाम पर चौक के निर्माण की घोषणा की

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 04 जुलाई । हरियाणा के कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा है कि बरवाला में संत शिरोमणि कबीर दास जी महाराज के नाम पर एक चौक का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में 'संत-महापुरुष विचार प्रसार योजना' के तहत संतों और महापुरुषों से जुड़े महत्वपूर्ण दिवसों को पूरे सम्मान और गरिमा के साथ मना रही है। इन आयोजनों के माध्यम से हमारी युवा पीढ़ी को अपने संतों और महापुरुषों के जीवन, संघर्ष, त्याग और उनके महान विचारों से प्रेरणा मिलती है। वे शनिवार को बरवाला में संत शिरोमणि कबीर दास महाराज की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार अंतोदय के भाव से कार्य कर रही है और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन में सुधार लाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि ऐसे लोगों के जीवन में बदलाव लाने के लिए लाडो लक्ष्मी जैसी महत्वाकांक्षी योजना चलाई गई है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि अब इस योजना का दायरा बढ़ाया जाएगा और 1 लाख 80 हजार रुपए वार्षिक आय वाले परिवारों को भी सितंबर माह के उपरांत इस योजना में शामिल किया जाएगा।

हरियाणा पात्रता परीक्षाः निष्पक्ष व शांतिपूर्ण आयोजन के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयारः उपायुक्त

27 परीक्षा केंद्रों पर कड़े सुरक्षा प्रबंध, एसओपी की हर बिंदु पर होगी सख्ती से पालना हर केंद्र पर वरिष्ठ अधिकारियों की तैनाती, मोबाइल व वाहनों के प्रवेश पर रहेगी रोक

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 04 जुलाई । हरियाणा पात्रता परीक्षा के निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी आयोजन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला सचिवालय में उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ की अध्यक्षता में प्रशासनिक एवं बोर्ड अधिकारियों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा से जुड़ी तैयारियों का विस्तृत जायजा लेते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि परीक्षा संचालन में किसी भी स्तर पर लापरवाही या कोताही स्वीकार नहीं की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि जिले में बनाए गए 27 परीक्षा केंद्रों पर हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा निर्धारित स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) का पूरी गंभीरता से पालन सुनिश्चित किया जाए। सभी ड्यूटी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पहचान के लिए निर्धारित स्टिकर लगाकर ही ड्यूटी करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र का पूर्व निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जाए कि वहां बैठने की व्यवस्था, डेस्क, दीवार घड़ी (वॉल क्लॉक), पेयजल, बिजली तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों। परीक्षा केंद्रों में किसी भी अभ्यर्थी, कर्मचारी या अन्य व्यक्ति के पास मोबाइल फोन न हो तथा केंद्र परिसर में किसी भी वाहन के प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि ग्रुप-डी का कोई कर्मचारी परीक्षा केंद्र के अंदर प्रवेश न करे।

प्रदेश सरकार ने 7 सडकों के निर्माण के लिए पारित किया 11.13 करोड़ का बजट : सुभाष सुधा

» परमिंदर सिंह

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 04 जुलाई । हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि प्रदेश सरकार की तरफ से 7 सडकों के निर्माण के लिए 11.13 करोड रुपए का बजट पारित किया गया है। इन सडकों के निर्माण की जिम्मेवारी लोक निर्माण विभाग को सौंपी गई है। इस विभाग की तरफ से लगभग 15 किलोमीटर लम्बी 7 सडकों का निर्माण किया जाएगा। इन सडकों के निर्माण से दर्जनों गांव को लाभ मिलेगा और सडकों से सम्बन्धित समस्याओं से निजात भी मिलेगी।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा शनिवार को निवास कार्यालय पर कार्यकर्ताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के प्रयासों से ही थानेसर

हल्का का चहुंमुखी विकास कार्य 3गुणा गति के साथ किया जा रहा है। इस हल्का में 7 सडकों का निर्माण कार्य किया जाएगा। इस कार्य के लिए प्रदेश सरकार ने 11 करोड 13 लाख रुपए का बजट पारित किया है। इस कार्य को लोक निर्माण विभाग की तरफ से जल्द शुरू किया जाएगा और निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष फोकस रखा जाएगा।

उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग की तरफ से ढांड रोड से बारना और हथीरा तक 6.30 किलोमीटर सडक का निर्माण किया जाएगा। इसी तरह ढांड रोड से गुरुकुल तक 0.58 किलोमीटर, गुरुद्वारा छठी पातशाही से आरओबी (शर्मा टाइप कॉलेज)वाया परशुराम चौक रेलवे रोड 1.63 किलोमीटर, पलवल से खेडी रामनगर 2.28 किलोमीटर, गीता स्थली ज्योतिसर से रेलवे स्टेशन ज्योतिसर तक 2 किलोमीटर, पिहोवा रोड से गुलाबगढ 1.40 किलोमीटर, एसके रोड से खेडी मारकंडा से सिरसला, कसेरला, गांव कनीपला के लिए 0.41 किलोमीटर सडक का निर्माण कार्य किया जाएगा।

वन महोत्सव पर न्यायिक अधिकारियों व शिक्षा विभाग ने किया पौधारोपण

» बरवाला, यूटर्न/ 04 जुलाई ।

वन महोत्सव के अवसर पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, अनाज मंडी, बरवाला के प्रांगण में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माननीय न्यायाधीश राकेश कुमार (एसडीजेएम), सुनील कुमार (सिविल जज जूनियर डिवीजन), संदीप राहड़ (प्रधान, बार एसोसिएशन), जिले सिंह (खंड शिक्षा अधिकारी, बरवाला), विद्यालय के प्राचार्य सुभाष बिश्नोई तथा मास्टर आजाद ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर माननीय न्यायाधीश राकेश कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रत्येक नागरिक को अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल का संकल्प लेना चाहिए, तभी आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण मिल सकेगा।

सिविल जज जूनियर डिवीजन सुनील कुमार तथा बार एसोसिएशन के प्रधान संदीप राहड़ ने कहा कि यह अभियान केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा।

वे आगे भी गांव-गांव जाकर पौधारोपण अभियान चलाते रहेंगे और अधिक से अधिक लोगों को इस जनहितकारी मुहिम से जोड़ेंगे।

पंजाब की ताजा राजनीतिक हलचल के केंद्र में सुखजिंदर रंधावा

संदीप शर्मा

राजनीति असलियत के साथ-साथ लोगों की सोच या धारणा पर भी चलती है। इसीलिए कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात ने काफी दिलचस्पी पैदा की है। 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब में कांग्रेस द्वारा संगठन में बड़े बदलाव करने के ठीक एक दिन बाद हुई इस मुलाकात के समय ने अटकलों को हवा दे दी है। कांग्रेस और बीजेपी दोनों ही इसे एक सामान्य मुलाकात बता सकते हैं। हो सकता है कि यह सच भी हो। अलग-अलग पार्टियों के वरिष्ठ नेता प्रशासनिक मामलों, अपने चुनाव क्षेत्र के मुद्दों और सुरक्षा संबंधी चिंताओं पर चर्चा करने के लिए मिलते रहते हैं। एक परिपक्व लोकतंत्र में, ऐसी मुलाकातों को असाधारण नहीं माना जाना चाहिए। फिर भी, भारतीय राजनीति ने लोगों की सोच को कुछ अलग तरह से ढाल दिया है। पिछले एक दशक में, कई बड़े राजनीतिक बदलावों से ठीक पहले ऐसी ही शिष्टाचार मुलाकातें हुई हैं। पंजाब के राजनीतिक हालात इस मुलाकात को और भी दिलचस्प बनाते हैं। कांग्रेस सालों की अंदरूनी गुटबाजी के बाद खुद को फिर से खड़ा करने की कोशिश कर रही है। संगठन में हालिया बदलाव का मकसद अनुशासन और अगले विधानसभा चुनाव की तैयारी का संदेश देना था। ऐसे समय में, वरिष्ठ नेताओं के बीच बेचैनी का कोई भी संकेत-चाहे वह सच हो या सिर्फ़ लोगों की धारणा-उस संदेश को कमजोर कर सकता है। रंधावा कोई आम कांग्रेसी नेता नहीं हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री और अब गुरदासपुर से लोकसभा सांसद, वे पंजाब में पार्टी के प्रमुख चेहरों में से एक हैं। असल में, वे बीजेपी और आम आदमी पार्टी (आप) दोनों के तीखे आलोचक रहे हैं और बार-बार उन पर पंजाब के हितों के खिलाफ मिलकर काम करने का आरोप लगाते रहे हैं। उनकी इसी राजनीतिक छवि के कारण अमित शाह के साथ कोई भी मुलाकात और भी अहम हो जाती है। बीजेपी के लिए भी, ऐसी अटकलें राजनीतिक रूप से फायदेमंद होती हैं, चाहे कोई नेता पार्टी छोड़े या न छोड़े। किसी वरिष्ठ कांग्रेसी नेता को अपनी ओर खींचने की संभावना मात्र से ही यह नैरेटिव मजबूत होता है कि बीजेपी अपना दायरा बढ़ा रही है, यहां तक कि पंजाब जैसे राज्यों में भी, जहां चुनावी तौर पर उसकी मौजूदगी सीमित है। कांग्रेस के सामने एक ज्यादा नाजुक चुनौती है। अटकलों को सार्वजनिक रूप से खारिज करना जरूरी है, लेकिन साथ ही यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि पार्टी का वरिष्ठ नेतृत्व एकजुट दिखे। आधुनिक राजनीति में आत्मविश्वास को इनाम मिलता है और अनिश्चितता का नुकसान उठाना पड़ता है। जब अंदरूनी एकता पर सवाल सुर्खियों में छा जाते हैं, तो विपक्ष की उन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की क्षमता कम हो जाती है जो मतदाताओं पर असर डालते हैं। आखिरकार, इससे मिलने वाला बड़ा सबक सिर्फ़.एक मुलाकात से कहीं आगे का है। भारतीय राजनीति में अब सब कुछ लेन-देन जैसा हो गया है, इसलिए आम राजनीतिक बातचीत को भी शक की नजर से देखा जाता है। विरोधी पार्टियों के नेताओं की मुलाकातों से किसी अच्छे काम की उम्मीद के बजाय, अक्सर दल-बदल की अफवाहें ही उड़ने लगती हैं। यह दिखाता है कि कैसे विचारधारा की सीमाएँ कमजोर हुई हैं और हाल के सालों में नेताओं की वफादारी कितनी तेजी से बदली है। रंधावा की यह मुलाकात सिर्फ़. कामकाज या संसदीय तालमेल के बारे में थी, या फिर इसके पीछे कोई बड़ी बात थी, यह तो वक़्त ही बताएगा। तब तक अटकलें लगती रहेंगी। राजनीति में अक्सर 'टाइमिंग' ही असल संदेश होती है। भले ही कोई साफ संदेश न दिया गया हो।

चिंतन मनन: शिष्य बना प्रशंसा का पात्र

गंगा किनारे गुरु अभेंद्र का आश्रम था। एक बार देश में भीषण अकाल पड़ा। गुरु अभेंद्र ने संकटग्रस्तों की मदद के उद्देश्य से अपने तीन शिष्यों को बुलाकर कहा - ऐसे संकट के समय में हमें अकाल पीड़ितों की सेवा करनी चाहिए। तुम लोग अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भूखों को भोजन कराओ।

उनकी बात सुनकर शिष्य बोले - गुरुजी, हम इतने सारे लोगों को भोजन कैसे कराएंगे? हमारे पास न तो अन्न भंडार है और न अनाज खरीदने के लिए धन। तब गुरु अभेंद्र ने उन्हें एक थाली देते हुए कहा - यह थाली दिव्य है। तुम जितना भोजन मांगोगे, यह उतना भोजन उपलब्ध कराएगी। तीनों शिष्य थाली लेकर निकल पड़े। दो शिष्य एक स्थान पर बैठ गए। उधर से जो भी गुजरता, उसे वे भोजन कराते। किंतु तीसरा शिष्य मोहन बैठा नहीं, बल्कि घूम-घूमकर भूखों को खोजता रहा और उन्हें खाना बांटता रहा। कुछ दिनों बाद जब तीनों आश्रम लौटे, तो गुरु ने मोहन की खूब प्रशंसा की। दोनों शिष्यों को यह अजीब लगा।

उन्होंने पूछा - गुरुदेव, हमने भी तो अकाल पीड़ितों की सेवा की है। फिर मोहन की ही प्रशंसा क्यों गुरु ने उत्तार दिया - तुमने एक ही स्थान पर बैठकर पीडघ्तों की सहायता की। ऐसा करने से वे लोग तुम्हारी मदद से वंचित रह गए, जो चलकर तुम्हारे पास आने में असमर्थ थे। जबकि मोहन ने लोगों के पास जा-जाकर उन्हें भोजन कराया। उसकी सहायता अधिकतम लोगों तक पहुंची, इसलिए उसकी सेवा अधिक प्रशंसा के योग्य है। कथा का सार यह है कि वही सेवा अधिक सराहनीय होती है, जो आगे बढ़कर की जाए।

विदेशी विश्वविद्यालयों के भारतीय कैंपस नई शिक्षा क्रांति की ओर बढ़ता भारत

फैकल्टी की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। भारतीय और विदेशी शिक्षकों का संतुलित मिश्रण तैयार किया जाएगा। विक्टोरिया यूनिवर्सिटी ने घोषणा की है कि उसकी लगभग एक तिहाई फैकल्टी सीधे मेलबर्न से आएगी। वहीं भारतीय मूल के ऐसे प्रोफेसरों को भी नियुक्त किया जाएगा जिन्होंने विदेशी विश्वविद्यालयों से उच्च शिक्षा प्राप्त की है। इससे छात्रों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव और भारतीय परिस्थितियों दोनों का लाभ मिलेगा।

कांतिलाल मांडोत

भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था एक नए दौर में प्रवेश कर रही है। अब भारतीय विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय शिक्षा प्राप्त करने के लिए विदेश जाने की अनिवार्यता नहीं रहेगी। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल, यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क, इलिनोइस टेक, विक्टोरिया यूनिवर्सिटी और एबरडीन जैसी प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालय भारत में अपने स्वतंत्र कैंपस स्थापित कर रही हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा अब तक पंद्रह विदेशी विश्वविद्यालयों को लेटर ऑफ इंटेंट जारी किए जा चुके हैं और इनमें से अधिकांश विश्वविद्यालय अगस्त से अपने पहले शैक्षणिक सत्र की शुरूआत करेंगे। यह केवल शिक्षा के विस्तार का प्रयास नहीं बल्कि भारत को वैश्विक शिक्षा केंद्र बनाने की दिशा में उठाया गया ऐतिहासिक कदम है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में कैंपस स्थापित करने की अनुमति मिलने के बाद उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक नया अध्याय शुरू हुआ है। इसका उद्देश्य भारतीय विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा, शोध सुविधाएं और वैश्विक अवसर अपने ही देश में उपलब्ध कराना है। इससे लाखों छात्रों और उनके परिवारों को विदेश जाने में आने वाले भारी खर्च और अन्य चुनौतियों से राहत मिलेगी।

इन विश्वविद्यालयों की सबसे बड़ी विशेषता यह होगी कि भारत में संचालित कैंपस का पाठ्यक्रम, परीक्षा प्रणाली, मूल्यांकन प्रक्रिया और डिग्री पूरी तरह उसी स्तर की होगी जो उनके मूल विदेशी कैंपस में लागू होती है। विद्यार्थियों को किसी प्रकार का समझौता नहीं करना पड़ेगा। उन्हें वही गुणवत्ता, वही शिक्षण पद्धति और वही अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त होगी जो विदेश में अध्ययन करने वाले छात्रों को मिलती है। भारत में स्थापित होने वाले इन कैंपसों का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं बल्कि विद्यार्थियों को उद्योग जगत से जोड़ना भी है। यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क ने मुंबई के युवा उद्यमियों के संगठन के साथ समझौता कर छात्रों को स्टार्टअप और नवाचार से जोड़ने की पहल की है। इसी प्रकार इलिनोइस टेक अपने भारतीय परिसर के लिए अमेरिका तथा अन्य देशों के अनुभवी प्रोफेसरों की नियुक्ति कर रहा है ताकि विद्यार्थियों को वास्तविक वैश्विक शैक्षणिक वातावरण मिल सके।

इन विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए निर्धारित योग्यता भी स्पष्ट रखी गई है। सामान्यतः बारहवीं में लगभग पचहत्तर प्रतिशत अंक तथा स्नातक स्तर पर पचपन से सत्तर प्रतिशत तक अंक आवश्यक होंगे। जिन छात्रों के अंग्रेजी विषय में अच्छे अंक होंगे उन्हें कई मामलों में आईईएलटीएस जैसी परीक्षा देने की आवश्यकता भी नहीं पड़ेगी। इससे योग्य भारतीय विद्यार्थियों के लिए प्रवेश प्रक्रिया अधिक सरल और सुलभ बनेगी। विद्यार्थियों को भारत में पढ़ाई करते हुए एक या दो सेमेस्टर संबंधित विश्वविद्यालय के विदेशी कैंपस में अध्ययन करने का अवसर भी मिलेगा। इससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय अनुभव, वैश्विक संस्कृति और विदेशी उद्योगों से जुड़ने का लाभ मिलेगा। उदाहरण के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क और ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी अपने छात्रों को ब्रिटेन में अध्ययन और शोध करने की सुविधा उपलब्ध कराएंगी। इससे छात्रों की शैक्षणिक गुणवत्ता और रोजगार की संभावनाएं दोनों मजबूत होंगी। फैकल्टी की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। भारतीय और विदेशी शिक्षकों का संतुलित मिश्रण तैयार किया जाएगा। विक्टोरिया यूनिवर्सिटी ने घोषणा की है कि उसकी लगभग एक तिहाई फैकल्टी सीधे मेलबर्न से आएगी। वहीं भारतीय मूल के ऐसे प्रोफेसरों को भी नियुक्त किया जाएगा जिन्होंने विदेशी विश्वविद्यालयों से उच्च शिक्षा प्राप्त की है। इससे छात्रों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव और भारतीय परिस्थितियों दोनों का लाभ मिलेगा। शोध और तकनीकी विकास को भी इन विश्वविद्यालयों की प्राथमिकता बनाया गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, कंप्यूटर विज्ञान, इंजीनियरिंग तथा स्टेम विषयों पर विशेष फोकस रहेगा। आधुनिक प्रयोगशालाएं, अत्याधुनिक शोध सुविधाएं और वैश्विक संसाधनों तक पहुंच छात्रों को विश्वस्तरीय अनुसंधान के लिए प्रेरित करेगी।

इससे भारत में नवाचार और तकनीकी विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है। विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति की व्यापक व्यवस्था भी की गई है। योग्यता और आर्थिक आवश्यकता के आधार पर दस प्रतिशत से लेकर सौ प्रतिशत तक छात्रवृत्ति उपलब्ध कराई जाएगी। कई विश्वविद्यालय प्रतिवर्ष लाखों रुपये तक की आर्थिक सहायता देने की योजना बना चुके हैं। इससे आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को भी विश्वस्तरीय शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल : पर्यावरण का समाधान या वाहन चालकों से लूट ?

सनत जैन

देश में ई20 (20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित) पेट्रोल को बढ़ावा देने की नीति बिना तैयारी के समय के पहले लागू की जा रही है। सरकार का दावा है, इससे कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटेगी। विदेशी मुद्रा की बचत होगी। किसानों को गन्ना और मक्का जैसी फसलों का बेहतर बाजार मूल्य मिलेगा। प्रदूषण में कमी आएगी। सरकार का दावा है, नए फ्लेक्स-फ्यूल और ई20 अनुकूल वाहनों पर इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

दूसरी ओर, वाहन मालिक माइलेज घटने, इंजन की कार्यक्षमता प्रभावित होने, स्टार्टिंग समस्या, वाहन के रबर और पाइपों तथा पुराने वाहनों में तकनीकी खराबियों की शिकायत कर रहे हैं। पिछले 1 महीने में यह शिकायतें 65 फीसदी तक बढ़ गई हैं। सोशल मीडिया पर ऐसे अनेक वीडियो सामने आए हैं। इसके बाद भी सरकार दावा कर रही है, भ्रामक जानकारियां भी फैलाई जा रही हैं।

सरकार के अनुसार 1 अप्रैल 2023 के बाद निर्मित अधिकांश नए वाहन ई20 ईंधन के अनुकूल बनाए गए हैं। इससे पहले के करोड़ों वाहनों के मालिकों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। कई उपभोक्ता संगठनों के सर्वे में माइलेज कम होने वाहन खराब होने और रखरखाव की शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं।

इसी बीच विपक्ष ने भी इस नीति पर सवाल उठाए हैं। आरोप लगाया जा रहा है। ई20 को पर्याप्त तैयारी के बिना लागू किया गया है। इससे आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। कुछ कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए इथेनॉल युक्त ईंधन जबरदस्ती सभी पेट्रोल पंपों के द्वारा सप्लाई किया जा रहा है। जबकि 2023 के पहले की कोई भी गाड़ी इथेनॉल युक्त पेट्रोल के लिए बनाई ही नहीं गई है। यह सवाल भी उठ रहा है, इथेनॉल पेट्रोल की तुलना में सस्ता है। 20 फीसदी एथेनॉल मिलने के बाद भी तो पेट्रोल की कीमतों में कमी क्यों नहीं की गई है।

विशेषज्ञ बताते हैं, शुद्ध इथेनॉल की ऊर्जा क्षमता पेट्रोल से कम है, इसलिए 5 से 20 फीसदी तक माइलेज में कमी आना स्वाभाविक है। ई20 ईंधन में माइलेज कम होना स्वाभाविक है। माइलेज वाहन के मॉडल, इंजन तकनीक और ड्राइविंग शैली पर भी निर्भर है।

इस साल बारिश बहुत कम होने की संभावना व्यक्त की जा रही है शुगर केन का उपयोग इथेनॉल में होने के कारण शक्कर के भाव लगातार बढ़ते चले जा रहे हैं कृषि क्षेत्र में भी इसका बड़ा असर पड़ रहा है ऐसी स्थिति में सरकार का एथेनॉल उत्पादन बढ़ाना खाद्य संकट को भी बढ़ाने वाला साबित होगा। यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है।

कुल मिलाकर इथेनॉल मिश्रित ईंधन ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और कृषि अर्थव्यवस्था के लिए अभी एक चुनौती है। इसकी सफलता तभी सुनिश्चित होगी जब पुराने वाहनों के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश, पारदर्शी वैज्ञानिक अध्ययन, उपभोक्ताओं की शिकायतों का समाधान और कीमतों को लेकर स्पष्ट नीति जब तक सामने नहीं आती है।

तब तक सरकार वाहन मालिकों का एक तरह से लूटने और उन्हें परेशानी में डालने का काम कर रही है। पेट्रोल पंपों से ई 20 की अनिवार्य सप्लाई के कारण वाहन मालिकों को जिस परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सरकार को जल्द ही उनकी चिंताओं का समाधान करना आवश्यक है। देश में दो पहिया और चार पहिया वाहनों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढी है। प्रत्येक परिवार इस समस्या से परेशान है। सरकार को जल्द ही इस पर कोई कदम उठाना चाहिए।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

सरकार ने प्याज खरीद मूल्य में की 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी, किसानों से अब 2,125 रुपए प्रति क्विंटल पर होगी खरीद

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 04 जुलाई

केंद्र सरकार ने प्याज किसानों को राहत देते हुए सरकारी खरीद मूल्य में 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है। अब सरकार प्याज की खरीद 2,125 रुपए प्रति क्विंटल की दर से करेगी, जबकि पहले यह कीमत 1,875 रुपए प्रति क्विंटल थी। नई दर शनिवार से लागू हो गई है। सरकार का कहना है कि इस फैसले से प्याज किसानों को बेहतर दाम मिलेंगे और मूल्य स्थिरीकरण बफर के लिए खरीद को भी मजबूती मिलेगी।

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने कहा कि सरकार के मूल्य स्थिरीकरण बफर के लिए एनएएफईडी और एनसीसीएफ के माध्यम से प्याज की खरीद जारी है। संशोधित खरीद मूल्य किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ बफर स्टॉक तैयार करने में भी मदद करेगा।

सरकार के अनुसार, 2025-26 के लिए प्याज का उत्पादन 307.37 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष 2024-25 के 307.67 लाख मीट्रिक टन के लगभग बराबर है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के दूसरे अग्रिम अनुमान के आधार पर सरकार का मानना है कि देश में प्याज की उपलब्धता को लेकर फिलहाल कोई चिंता की बात नहीं है। हालांकि, सामान्य मौसमी रुझान के अनुसार कीमतों में कुछ बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। मंत्रालय ने कहा कि महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में प्याज का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और फिलहाल संग्रहीत प्याज की कोई कमी नहीं है। देश भर की मंडियों में प्रतिदिन 50 हजार मीट्रिक टन से अधिक प्याज की आवक हो रही है, जबकि केवल महाराष्ट्र में यह आंकड़ा 30 हजार मीट्रिक टन से अधिक है, जिसमें औसत मॉडल भाव लगभग 18 रुपए प्रति किलोग्राम बना हुआ है।

सरकार का कहना है कि बेहतर गुणवत्ता वाला प्याज अभी भी भंडारण में मौजूद है और इसे मांग बढ़ने वाले समय में बाजार में उतारा जाएगा। फिलहाल देश भर में प्याज का औसत खुदरा मूल्य 31 रुपए प्रति किलोग्राम है। प्याज का निर्यात भी सामान्य स्तर पर बना हुआ है। जून के दौरान लगभग 1.50 लाख मीट्रिक टन प्याज का निर्यात किया गया। हालांकि, व्यापारियों का मानना है कि आने वाले कुछ समय के लिए निर्यात की रफ्तार धीमी पड़ सकती है, क्योंकि पाकिस्तान और चीन की नई फसल खाड़ी देशों, श्रीलंका और सुदूर पूर्व के बाजारों में प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उपलब्ध है।

सरकार ने बताया कि महाराष्ट्र के नासिक क्षेत्र में खरीफ प्याज की बुआई लगभग 15 दिन की देरी से चल रही है। वहीं, कर्नाटक के चित्रदुर्ग और चल्लकेरे क्षेत्र में बुआई सामान्य स्तर की लगभग 60 प्रतिशत ही हुई है। मंत्रालय के अनुसार, कुछ इलाकों में मानसून की देरी और सामान्य से कम बारिश के कारण कुछ व्यापारियों ने सट्टेबाजी के उद्देश्य से खरीद बढ़ाई है।

ई-जागृति प्लेटफॉर्म उपभोक्ता शिकायतों की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल बनाता है: मोदी

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 04 जुलाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि ई-जागृति प्लेटफॉर्म उपभोक्ता शिकायतों की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल बनाकर कई बड़ी चुनौतियों का समाधान कर रहा है। यह प्लेटफॉर्म उपभोक्ता शिकायत दर्ज होने से लेकर उसके निपटारे तक की पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन और पेपरलेस बनाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी द्वारा लिखे गए ई-जागृति प्लेटफॉर्म पर आधारित एक लेख को शेयर किया और कहा कि व्यापक स्तर पर विभिन्न हितधारकों से चर्चा और सुझाव लेने के बाद ई-जागृति को और बेहतर बनाया गया है, जिससे उपभोक्ता न्याय व्यवस्था को भी डिजिटल सुधारों के दायरे में लाया गया है। अपने लेख में प्रल्हाद जोशी ने लिखा कि आज उपभोक्ता बड़ी संख्या में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, डिजिटल भुगतान प्रणालियों और ऑनलाइन मार्केटप्लेस के माध्यम से लेनदेन कर रहे हैं। ऐसे में पारंपरिक उपभोक्ता न्याय प्रणाली, जिसमें कागजी फाइलिंग, मैनुअल जांच, अलग-अलग सॉफ्टवेयर और व्यक्तिगत रूप से सुनवाई की व्यवस्था थी, तेजी से बदलती डिजिटल अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम नहीं रह गई थी। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में उपभोक्ताओं के अधिकारों की सुरक्षा केवल कानूनों में बदलाव से संभव नहीं थी, बल्कि न्याय वितरण की पूरी व्यवस्था को आधुनिक और तकनीक-आधारित बनाना भी जरूरी था। 1 जनवरी 2025 को शुरू किए गए ई-जागृति प्लेटफॉर्म ने चार पुराने सिस्टम ओसीएमएस, ई-दाखिल, राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) सीएमएस और कन्फोनेट को एकीकृत कर एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-आधारित, पेपरलेस डिजिटल प्लेटफॉर्म में बदल दिया है।

संक्षिप्त खबरें

निर्यात में दोहरे अंक की वृद्धि का अनुमान, वित्त वर्ष 27 तक 1 ट्रिलियन डॉलर लक्ष्य की ओर भारत

नई दिल्ली, यूटर्न/ 04 जुलाई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने घोषणा की कि भारत को चालू वित्त वर्ष में वस्तु निर्यात में 16-17 प्रतिशत और सेवा निर्यात में 10-11 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि की उम्मीद है। व्यापार बोर्ड की बैठक में उन्होंने बताया कि यह अनुमान भारत को वित्त वर्ष 2027 तक वस्तु निर्यात में लगभग $515 अरब और सेवा निर्यात में $470 अरब तक पहुंचने में मदद करेगा, जिससे देश कुल 1 ट्रिलियन डॉलर के निर्यात लक्ष्य की ओर अग्रसर होगा। इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, बैठक में सतत और तकनीकी टेक्सटाइल, परफॉर्मेंस अपैरल और मेडिकल टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में उभरते अवसरों की पहचान की गई। निर्यात प्रोत्साहन प्रयासों को क्षेत्रीय विनिर्माण क्षमता से जोड़ने के लिए राज्य-केंद्रित उत्पादन का खाका भी प्रस्तुत किया गया। व्यापार नीति पर शीर्ष सलाहकार संस्था, बीओटी की बैठक में भारत के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का प्रभावी ढंग से उपयोग करने, आयात का विकल्प तैयार करने और डंपिंग को रोकने पर भी विस्तार से चर्चा हुई। सरकार इस साल कम से कम दो और एफटीए लागू करने की तैयारी में है। एफटीए के इस्तेमाल को अधिकतम करने के लिए एक पांच-सूत्रीय रणनीतिक फ्रेमवर्क पर चर्चा की गई, जिसमें मौजूदा निर्यात को बढ़ावा देना, नए क्षेत्रों में विविधता लाना और गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करना शामिल है।

फार्मा कंपनियों को राहत, अब दवा की वास्तविक ओवरचार्जिंग पर ही होगी कार्रवाई

नई दिल्ली, यूटर्न/ 04 जुलाई। केंद्र सरकार ने औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश (डीपीसीओ), 2013 में महत्वपूर्ण संशोधन किए हैं। 30 जून को जारी इन बदलावों से दवा उद्योग को नियामक अनुपालन में आसानी होगी, वहीं नियमों का पालन और भी मजबूत बनेगा। विशेष रूप से, ओवरप्राइसिंग के मामलों में कंपनियों पर लगने वाला बोझ कम होगा और प्रक्रियाएं अधिक स्पष्ट होंगी। उद्योग जगत ने इन संशोधनों का स्वागत किया है। संशोधित नियमों के अनुसार यदि सरकार द्वारा तय नई कीमत लागू होने के बाद कोई मूल्य-नियंत्रित दवा अधिक दाम पर बेची जाती है, तो ऐसे मामलों में दवा कंपनियों को पहले से अधिक राहत मिलेगी। अब यदि कंपनी यह साबित कर देती है कि उसने नई कीमतों की जानकारी सभी संबंधित वितरकों और खुदरा विक्रेताओं तक सही ढंग से पहुंचाई थी, तो उसकी जिम्मेदारी केवल उतनी ही दवाओं तक सीमित होगी जितनी मात्रा वास्तव में अधिक कीमत पर बेची गई हो।

‘लखपति दीदी’ अभियान को मिली डिजिटल ताकत

‘लोकओएस’ प्लेटफॉर्म से करोड़ों ग्रामीण महिलाओं को मिल रहा लाभ

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 04 जुलाई।

ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे ‘लखपति दीदी’ अभियान को अब डिजिटल प्लेटफॉर्म ‘लोक ओएस’ का बड़ा सहारा मिल रहा है। सरकारी फैक्टशीट के अनुसार, यह प्लेटफॉर्म बड़े स्तर पर लाभार्थियों तक पहुंच, उनकी प्रगति की निगरानी और डिजिटल मॉनिटरिंग के जरिए इस अभियान को और प्रभावी बना रहा है।

फिलहाल, ‘लोक ओएस’ के माध्यम से 6,611 मास्टर ट्रेनर, 4.09 लाख कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन (सीआरपी), और 3.87 करोड़ संभावित लखपति दीदी का मजबूत नेटवर्क तैयार किया गया है। इसके अलावा, प्लेटफॉर्म पर 18.50 करोड़ डिजिटल आजीविका रजिस्टर भी उपलब्ध हैं, जो आजीविका की योजना बनाने, उसकी निगरानी करने और उसे लागू करने के लिए मजबूत डिजिटल आधार प्रदान करते हैं।

‘लोक ओएस’, दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत विकसित एक आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म है। इसका उद्देश्य सामुदायिक-आधारित संगठनों की पूरी कार्यप्रणाली को डिजिटल बनाना है। देशभर में इसका विस्तार होने से ‘लखपति दीदी’ अभियान को नई गति मिली है और ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण तथा वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिल रहा है। साथ ही यह आत्मनिर्भर ग्रामीण समुदायों के निर्माण में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, ‘लोक ओएस’ रियल-टाइम मॉनिटरिंग और डिजिटल वित्तीय प्रबंधन के जरिए पारदर्शिता, बेहतर प्रशासन और कार्यकुशलता को बढ़ा रहा है। यह सामुदायिक संस्थाओं को मिलने वाली वित्तीय सहायता की भी प्रभावी निगरानी करता है। अब तक प्लेटफॉर्म के जरिए 9,718.41 करोड़ रुपए का रिवॉल्विंग फंड (आरएफ), 64,607.66 करोड़ रुपए का कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड (सीआईएफ) और 38.34 करोड़ रुपए का कम्युनिटी एंटरप्राइज फंड (सीईएफ) ट्रैक किया जा रहा है।

टोयोटा के पिकअप ट्रक, हाइलक्स का 9वां जेनरेशन जल्द होगा पेश

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 04 जुलाई।

टोयोटा के पिकअप ट्रक, हाइलक्स के 9वें जेनरेशन को अगले महीने भारत में लॉन्च करने की तैयारी में है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर पिछले साल नवंबर में लॉन्च हुई यह पिकअप ट्रक, अब अपने शार्प डिजाइन और कई नए फीचर्स के साथ भारतीय सड़कों पर उतरेगी।

नई हाइलक्स का एक्सटीरियर पूरी तरह से नया है, जिसमें स्लिम और ऊंचे एलईडी हेडलैंप के साथ एक काले ट्रिम पीस पर टोयोटा लिखा हुआ है। इसके नीचे एक हनीकॉम्ब-पैटर्न वाली ग्रिल और बड़े बंपर हैं, जो इसे एक आक्रामक लुक देते हैं। साइड प्रोफाइल में साफ पैनलिंग, 17 इंच के अलॉय व्हील और स्क्वेयर बॉडी क्लैडिंग इसे मजबूत बनाती है, जबकि पीछे की तरफ सी-शेप डीआरएल सिग्नेचर वाले बड़े वर्टिकल टेल-लैंप और टेलगेट पर टोयोटा की बड़ी ब्रांडिंग है, जो इसकी पहचान को और मजबूत करती है। इंटीरियर की बात करें, तो नई हाइलक्स अपने पिछले मॉडल की तुलना में काफी आधुनिक है। इसमें नए डिजाइन वाले डैशबोर्ड पर दो 12.3 इंच के डिस्प्ले और एक नया थ्री-स्पोक स्टीयरिंग व्हील दिया गया है। हाइलक्स के केबिन की अच्छी बात यह है कि इसमें स्टीयरिंग व्हील, सेंटर कंसोल और ट्रांसमिशन टनल पर कई फिजिकल कंट्रोल दिए गए हैं, जो उपयोग में आसानी प्रदान करते हैं और ड्राइवर को अधिक नियंत्रण देते हैं।

भारत में यह मौजूदा 2.8-लीटर डीजल इंजन (204 हॉर्सपावर, 500 एनएम टॉर्क) के साथ 6-स्पीड मैनुअल और ऑटोमैटिक गियरबॉक्स विकल्पों में उपलब्ध होगी, जिसमें 4गुणा4 स्टैंडर्ड रहेगा। उम्मीद है कि इसमें 48वी नियो ड्राइव माइल्ड हाइब्रिड सिस्टम भी मिल सकता है, जो इसकी ईंधन दक्षता को बढ़ाएगा।

सेडान स्लाविया का मिड-लाइफ फेसलिफ्ट वर्जन जल्द होगा लांच

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 04 जुलाई।

स्कोडा की लोकप्रिय सेडान स्लाविया का मिड-लाइफ फेसलिफ्ट वर्जन इस साल अगस्त में लॉन्च होने वाला है। उम्मीद है कि अपडेटेड स्लाविया एक्सटीरियर और इंटीरियर दोनों में कई बड़े बदलावों के साथ आएगी, जिससे यह बाजार में अपनी स्थिति और मजबूत कर सके। एक्सटीरियर में सबसे बड़ा बदलाव फ्रंट लुक में दिखेगा, जहां पहले से बड़ी और अधिक बोल्ड फ्रंट ग्रिल दी जाएगी। इसमें नए डिजाइन वाले मोटे स्लैट्स और नई स्लिम एलईडी हेडलाइट्स होंगी, जिनके अंदर का डिजाइन भी पूरी तरह नया होगा। एलईडी डे-टाइम रनिंग लाइट्स (डीआरएल) का डिजाइन भी बदला जाएगा, जिसमें कुशाक फेसलिफ्ट की तरह डॉटेड कनेक्टेड पैटर्न देखने को मिल सकता है। इसके अलावा, फ्रंट बंपर को भी नए डिजाइन के साथ ऑफर किया जाएगा। कार के रियर में भी बदलाव किए जाएंगे, जिसमें नए डिजाइन की एलईडी टेललाइट्स मिलेंगी।

साथ ही, कुशाक की तरह इल्यूमिनेटेड स्कोडा लेटरिंग भी देखने को मिलेगा, जिससे कार का प्रीमियम लुक बढ़ेगा। रियर बंपर का डिजाइन भी नया होगा, जो समग्र रूप से एक ताजा और आधुनिक अपील देगा। केबिन के अंदर भी कुछ महत्वपूर्ण अपडेट किए जाएंगे। सबसे बड़ा बदलाव 10.2-इंच का नया फुली डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर होगा, जो कुशाक फेसलिफ्ट में भी देखा गया है। इसके अलावा, कार में नई अपहोल्स्ट्री कलर थीम दी जा सकती है, जिससे इंटीरियर को एक नयापन मिलेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बार स्लाविया में रियर सीट मसाज फंक्शन भी ऑफर किया जा सकता है, जो यात्रियों के लिए कम्फर्ट को एक नए स्तर पर ले जाएगा।

इंटीरियर में कुछ छोटे-मोटे बदलाव भी देखने को मिल सकते हैं, जो उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाएंगे। हालांकि इंजन ऑप्शन्स में कोई बदलाव नहीं होगा, नई स्लाविया पहले की तरह 1.0-लीटर टीएसआई टर्बो पेट्रोल (115 पीएस की पावर और 178 एनएम का टॉर्क) और 1.5-लीटर टीएसआई टर्बो पेट्रोल इंजन (150 पीएस की पावर और 250 एनएम का टॉर्क) के साथ आएगी।

ट्रांसमिशन में एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा; 1.0-लीटर टीएसआई इंजन के साथ अब नया 8-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स दिया जाएगा, जबकि 6-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन स्टैंडर्ड रहेगा।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

‘ठक-ठक’ गैंग के दो सदस्य गिरफ्तार, लैपटॉप, गहने, स्कूटी और चोरी के अन्य सामान बरामद

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 04 जुलाई

गाड़ी चोरी-रोधी दस्ता (एएटीएस) साउथ डिस्ट्रिक्ट की टीम ने कुख्यात ‘ठक-ठक’ गैंग के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से चोरी के रुपए, गहने, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स और अपराध में इस्तेमाल होने वाला अन्य सामान बरामद किया है। इस ऑपरेशन से दिल्ली और हरियाणा में हुई चोरी की कई घटनाओं का पता चला है।

पुलिस ने बताया कि 30 जून को ‘ठक-ठक’ गैंग के दो एक्टिव सदस्यों की गतिविधियों के बारे में खास गुप्त सूचना मिली। तुरंत कार्रवाई करते हुए एएटीएस साउथ डिस्ट्रिक्ट की टीम ने जाल बिछाया और सफलतापूर्वक गंगेश नायडू और विक्रम को पकड़ लिया। लगातार पूछताछ और तलाशी के बाद चोरी का 6 लाख कैश, 1 लैपटॉप, 2 मोबाइल फोन, 1 मैकबुक, सोने की 5 चूड़ियां, सोने के 3 चेन, 1.1 किलो चांदी की वस्तुएं, 1 घड़ी, ईयरबड्स, चोरी के औजार और अपराध में इस्तेमाल की गई स्कूटी बरामद की गई। जांच से पता चला कि दोनों आरोपी एक अंतर-राज्यीय ‘ठक-ठक’ गैंग के एक्टिव सदस्य थे। वे पीड़ितों का ध्यान भटकाकर और गाड़ियों से कैश व कीमती सामान चुराकर वारदातों को अंजाम देते थे। तकनीकी विश्लेषण और पूछताछ से उन्हें दिल्ली-एनसीआरआर के कई साथियों से जोड़ा गया। उनके अन्य साथियों की पहचान करने और बरामद सामान को अन्य लंबित मामलों से जोड़ने के प्रयास जारी हैं।

आरोपी नकद और कीमती सामान ले जा रहे लोगों को निशाना बनाते थे, किसी न किसी बहाने उनका ध्यान भटकाते थे (‘ठक-ठक’ तकनीक), और स्कूटी पर भागने से पहले गाड़ियों से बैग या कीमती सामान जल्दी से चुरा लेते थे।

संक्षिप्त खबरें

नशीले पदार्थ की तस्करी में महिला गिरफ्तार

खोड़ा, यूटर्न/ 04 जुलाई । खोड़ा थाना पुलिस ने नशीले पदार्थ की तस्करी करने वाली महिला को गिरफ्तार किया है। महिला के पास से नशे का पाउडर और गोलियां बरामद की गई हैं। इंदिरापुरम के एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर महिला को खोड़ा कब्रिस्तान के पास से बृहस्पतिवार देर रात गिरफ्तार किया गया है। महिला के पास से 225 ग्राम नशे का पाउडर व 10 पत्ते गोलियां बरामद की हैं। गिरफ्तार महिला ने अपना नाम सना बताया है और वह खोड़ा की ही निवासी है। एसीपी का कहना है कि पूछताछ में आरोपी महिला ने बताया कि उसे मेट्रो स्टेशन के पास अज्ञात व्यक्ति यह सामान देकर जाता है और वह पुड़िया बनाकर क्षेत्र में लोगों को बेचती है। एसीपी ने बताया कि महिला के अन्य साथियों का पता लगाया जा रहा है।

दो भाइयों ने ईंट मारकर पड़ोसी का सिर फोड़ा

लोनी, यूटर्न/ 04 जुलाई । दो भाइयों ने मामूली विवाद में पड़ोसी को सिर पर ईंट से वार कर घायल कर दिया। घायल को परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया। मामले में घायल की मां रामपार्क कॉलोनी निवासी राजू देवी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 28 जून की रात करीब 11 बजे पड़ोस में रहने वाले युवक विकास का बड़ा भाई छत पर गाली गलौज कर रहा था। उनके बेटे सागर ने मना किया तो विकास ने पुत्र के साथ गाली गलौज कर ईंट से सिर पर वार कर दिया। इससे पुत्र के सिर पर काफी चोट आई। पुत्र के शोर मचाने पर वह बड़े पुत्र सूरज के साथ मौके पर पहुंची।

लॉक ऐप से बैटरी अनलॉक, सरकार सख्त

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 04 जुलाई ।

दिल्ली की सड़कों पर पहले अदृश्य सिरफिरे जिस बीएटी-बीएमएस एप से सरेराह ई-रिक्शा की बैटरी लॉक कर रहे थे, अब उसी एप को सीखकर ई-रिक्शा चालक खुद ही अपने वाहन को अनलॉक कर रहे हैं। कई चालकों ने अपने मोबाइल फोन में एप भी डाउनलोड किया है। इसमें चालक भी एक-दूसरे की मदद कर उन्हें वाहन अनलॉक करने की तकनीक के बारे में जागरूक कर रहे हैं।

उधर, केंद्र सरकार ने इस तरह के एप पर पाबंदी तो लगा दी है, इसके बावजूद शुक्रवार को हजरत निजामुद्दीन, सराय काले खां, मयूर विहार, लक्ष्मी नगर और गीता कॉलोनी समेत अन्य इलाकों में कुछ बुजुर्ग चालक परेशान दिखे। इस एप से अनभिज्ञ कुछ चालक शरारती तत्वों के शिकार हो रहे हैं।

सिरफिरों की शरारत से मारी जाती थी दिहाड़ी

दरअसल, ई-रिक्शा की डिजिटल सुरक्षा के लिए बने इस सिस्टम का कुछ मनचले और शरारती तत्व गलत इस्तेमाल करने लगे। वे राह चलते गरीब चालकों की ई-रिक्शा बैटरियों को ऐप के जरिए रिमोटली लॉक कर देते। इसका सबसे बड़ा खामियाजा 500 रुपये रोजाना किराए पर ई-रिक्शा चलाने वाले गरीब चालकों को भुगतना पड़ता। शुरूआत में जानकारी न होने से चालक बेबस होकर गाड़ी को धक्का लगाते हुए मिस्त्री के पास ले जाते थे। मिस्त्री भी इस मजबूरी का फायदा उठाकर ताला खोलने के नाम पर 200 से 300 रुपये ऐंठ लेते। ऐसे में चालकों की पूरे दिन की गाढ़ी कमाई बर्बाद हो जाती थी और घर का किराया और चूल्हा चलाना तक मुश्किल हो जाता था।

मुसीबत बनने वाला ऐप ही अब बना मददगार

भारी आर्थिक नुकसान और मानसिक प्रताड़ना झेलने के बाद अब चालकों ने इस तकनीकी खेल को समझ लिया है। चालकों के बीच अब बीएटी-बीएमएस ऐप को लेकर जागरूकता काफी बढ़ चुकी है। शुक्रवार को भी जब कुछ मनचलों ने गाड़ियां लॉक कीं, तो चालक पसीने से तर-बतर होकर मिस्त्रियों के पास नहीं भागे। उन्होंने तुरंत जेब से अपना स्मार्टफोन निकाला और इसी ऐप के जरिए अपनी बैटरी को खुद ही अनलॉक कर लिया।

शुरूआत में तो समझ ही नहीं आया कि ई-रिक्शा अचानक से कैसे बंद हो गई। मिस्त्री के पास लेकर गया तो उसने बताया। फिर सोशल मीडिया पर देखा। आकिब

गरीब लोगों को हर कोई परेशान करने में ही लगा है। दो दिन पहले कुछ बाइक सवार पास से गुजरे और कुछ ही देर बाद रिक्शा बंद हो गया। उस दिन की दिहाड़ी मारी गई। हैदर

रिक्शा को धक्का मारकर ले जाना पड़ा। मिस्त्री को भी पैसे देने पड़े। बाद में, साथी चालकों ने बताया कि किसी ऐप की मदद से रिक्शा की बैटरी बंद कर दी गई। : नौशाद

जहां से गाड़ी ली थी, उसके पास गया। उसने बताया कि ऐप के जरिए बैटरी को पावर कट कर दिया गया है। अब मैं दूसरे साथियों को जागरूक कर रहा हूं।: शाहिद

कपड़े की फैक्टरी में आग लगने से लाखों का नुकसान

लोनी, यूटर्न/ 04 जुलाई । रूप नगर औद्योगिक क्षेत्र स्थित कपड़े की फैक्टरी में अचानक आग लगने से लाखों का सामान जल गया। सूचना पर पहुंचे अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने पानी डालकर आग पर काबू पाया। आग लगने के सही कारण का पता लगाया जा रहा है। लालबाग कॉलोनी में रहने वाले सुबोध कुमार की रूप नगर औद्योगिक क्षेत्र में कपड़े की फैक्टरी है। उन्होंने बताया कि फैक्टरी के परिसर में मौजूद कार्यालय में देर रात आग लग गई। पड़ोसियों ने मामले की सूचना दमकल विभाग को दी। सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने कार्यालय में लगे कांच का दरवाजा तोड़कर एक गाड़ी की सहायता से आग पर काबू पाया। दमकल उपनिरीक्षक गौरव कुमार ने बताया कि आग से कार्यालय में रखा फर्नीचर, कंप्यूटर, इनवर्टर आदि जल गए। फैक्टरी मालिक ने शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई है। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार गंभीर, चालक फरार

साहिबाबाद, यूटर्न/ 04 जुलाई । तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे पहले एमएमजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हालत बिगड़ने पर दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल रेफर किया गया। युवक की हालत नाजुक बनी हुई है। नोएडा सेक्टर-22 निवासी शिवम कुमार ने कौशांबी थाने में शिकायत दी है। उन्होंने बताया कि उनका छोटा भाई कृष्णा 25 जून की तड़के करीब साढ़े चार बजे मोहन नगर से नोएडा जा रहा था। मैक्स रेड लाइट के पास यूपी गेट की ओर जाते समय पिकअप ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर भाग गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से घायल को जिला एमएमजी अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे आरएमएल अस्पताल रेफर कर दिया। शिवम ने बताया कि 2 जुलाई को उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से की। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पिकअप चालक की तलाश की जा रही है।

फैक्टरियों में चोरी करने वाले गिरोह के दो चोर पुलिस ने दबोचे

साहिबाबाद, यूटर्न/ 04 जुलाई । फैक्टरियों में चोरी करने वाले गिरोह के दो बदमाशों को लिंक रोड थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने चोरों के पास से रेफ्रीजरेटर बनाने वाली फैक्टरी से चोरी किया गया 40 किलो तांबा, 2700 रुपये और चोरी की कार बरामद की है। चोरों से पूछताछ कर पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। साहिबाबाद के प्रभारी एसीपी अमित सक्सेना ने बताया कि पकड़े गए चोरों ने 30 जून की रात लिंक रोड क्षेत्र स्थित फैक्टरी में चोरी को अंजाम दिया था। चोरी के बाद फैक्टरी संचालक अनिल छिब्बर ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। एसीपी ने बताया कि घटना स्थल से जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना पर अंचल निवासी विकास पुरी दिल्ली और फैसल निवासी गौतमबुद्धनगर को बृहस्पतिवार देर रात गिरफ्तार किया। एसीपी ने बताया कि फैसल के खिलाफ चोरी और एनडीपीएस एक्ट के 18 और अंचल के खिलाफ तीन मुकदमे दर्ज हैं। दोनों के पास से 40 किलो तांबे की प्लेट व पाइप, 2700 रुपये और एक कार बरामद हुई है। पुलिस पूछताछ में चोरों ने कई फैक्टरियों में चोरी करना कबूल किया है।

एनआईटी के एडी ग्राउंड में बनेगा आधुनिक कम्युनिटी सेंटर

» फरीदाबाद, यूटर्न/ 04 जुलाई

एनआईटी के वार्ड-11 में रहने वाले हजारों परिवारों को जल्द ही सामाजिक और पारिवारिक आयोजनों के लिए अपने क्षेत्र में आधुनिक कम्युनिटी सेंटर की सुविधा मिलेगी। नगर निगम ने एडी ग्राउंड में करीब 1.92 करोड़ रुपये की लागत से कम्युनिटी सेंटर बनाने की परियोजना शुरू कर दी है। इसके बनने से आसपास की कॉलोनियों के लोगों को शादी-विवाह, सगाई, धार्मिक कार्यक्रम, सामाजिक बैठकों और अन्य आयोजनों के लिए दूसरे क्षेत्रों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

एनआईटी शहर के सबसे घनी आबादी वाले और व्यावसायिक रूप से विकसित इलाकों में शामिल है। यहां निजी बैंक्वेट हॉल का किराया आम परिवारों की पहुंच से बाहर होता है। वहीं सरकारी सामुदायिक भवन भी आसपास पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में अधिकांश लोगों को अधिक खर्च उठाकर निजी स्थान बुक कराने पड़ते हैं। नया कम्युनिटी सेंटर बनने के बाद स्थानीय परिवारों को कम लागत में अपने ही क्षेत्र में आयोजन करने की सुविधा मिल सकेगी।

हजारों परिवारों को मिलेगा सीधा लाभ

वार्ड-11 के अलावा आसपास की कई कॉलोनियों के लोग भी इस कम्युनिटी सेंटर का उपयोग कर सकेंगे। शादी-विवाह, पारिवारिक समारोह, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामाजिक बैठकें और विभिन्न सामुदायिक गतिविधियां एक ही स्थान पर आयोजित हो सकेंगी।

ट्रेन में नशीली चाय पिलाकर दो महिलाओं के कान के कुंडल उतरवाए

» लोनी, यूटर्न/ 04 जुलाई ।

ट्रेन में बैठकर सफर कर रहीं दो महिलाओं को जहर खुरानी गिरोह के सदस्यों ने नशीली चाय पिलाकर कान के कुंडल, नकदी और मोबाइल ले लिए। घटना को अंजाम देकर आरोपी मौके से फरार हो गए। होश में आने पर दोनों महिलाओं को घटना के बारे में पता चला। मामले की शिकायत पुलिस से की है। एमसीडी से रिटायर्ट कर्मी इंद्रपाल लोनी के अगरौला गांव में रहते हैं।

उनकी पुत्रवधू कविता ने बताया कि सास सरोज अपनी मौसी सुरेश के साथ मंगलवार को राजस्थान खोली बाबा मोहन राम के मंदिर में गई थीं। उन्होंने बताया कि दोनों मौसी भतीजी बृहस्पतिवार रात करीब 11 बजे दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहुंची थीं। सास ने फोन पर बात कर स्टेशन पर रुकने व अगले दिन घर पहुंचने की बात बताई थी। शुक्रवार को सास के घर न पहुंचने पर उन्होंने कई फोन किए, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। उन्होंने बताया कि करीब तीन बजे लोनी संयुक्त अस्पताल से किसी ने फोन कर उन्हें मौसी व भतीजी के अचेत होने की जानकारी दी। अस्पताल पहुंचने पर सास ने बताया कि ट्रेन में किसी राहगीर ने चाय पिलाई थी। इसके बाद दोनों अचेत हो गईं। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। शिकायत के अनुसार जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेन की चपेट में आने से घायल अधेड़ की मौत

लोनी, यूटर्न/ 04 जुलाई । बॉर्डर थाना क्षेत्र के संतोषी विहार कॉलोनी में ट्रेन की चपेट में आने से घायल अधेड़ की अस्पताल में शुक्रवार सुबह मौत हो गई। पुलिस मृतक की शिनाख्त के प्रयास कर रही है। एसीपी अंकुर विहार अमरदीप मौर्या ने बताया कि सुबह करीब साढ़े सात बजे राहगीरों ने अधेड़ (55) के ट्रेन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल होने की सूचना पुलिस को दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शिनाख्त के प्रयास किए। शिनाख्त न होने पर पुलिस अधेड़ को संयुक्त अस्पताल लेकर पहुंची। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतक की शिनाख्त के प्रयास के लिए आस-पास के थानों में फोटो भेजे गए हैं।

फीफा वर्ल्ड कप: मेसी के नाम जुड़ी एक और बड़ी उपलब्धि, डिएगो माराडोना का तोड़ा रिकॉर्ड

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 04 जुलाई ।**

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में लियोनेल मेसी का शानदार प्रदर्शन जारी है। मेसी हर मुकाबले के साथ नया कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। काबो वर्डे के खिलाफ खेले गए राउंड ऑफ 32 मुकाबले में भी मेसी ने एक और बड़ी उपलब्धि को अपने नाम किया।

मेसी फीफा विश्व कप के इतिहास में सबसे ज्यादा असिस्ट (गोल करने में मदद) करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने पूर्व दिग्गज खिलाड़ी डिएगो माराडोना का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। मेसी वर्ल्ड कप में अब कुल 9 असिस्ट कर चुके हैं, जबकि माराडोना ने अपने करियर के दौरान विश्व कप में 8 असिस्ट किए। मेसी इसके साथ ही टूर्नामेंट के इतिहास में लगातार आठ मुकाबलों में गोल करने वाले भी पहले खिलाड़ी बने। उन्होंने काबो वर्डे के खिलाफ खेले गए रोमांचक मुकाबले में एक गोल दागते हुए अर्जेंटीना को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

अर्जेंटीना के कप्तान ने काबो वर्डे के खिलाफ मैच का पहला गोल किया। उन्होंने 29वें मिनट में लिसेंड्रो मार्टिनेज से मिले बेहतरीन पास को गोल में तब्दील किया। यह मेसी का विश्व कप में 20वां गोल रहा। फीफा वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड पहले ही मेसी अपने नाम कर चुके हैं। मेसी दो विश्व कप में 7 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए हैं।

कृति और कबीर चर्चा में

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक कृति सैनन हाल ही में अपनी फिल्म कॉकटेल 2 की सफलता का आनंद ले रही हैं। यह फिल्म 19 जून को रिलीज हुई थी और दर्शकों से इसे खूब प्यार मिल रहा है। इस मूवी में कृति के साथ-साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना भी मुख्य किरदार निभा रहे हैं। प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ कृति अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी सुर्खियों में हैं। मामला कुछ ऐसा है कि कृति सैनन का नाम पिछले काफी दिनों से एक बिजनेसमैन कबीर बहिया के साथ जोड़ा जा रहा है, क्योंकि दोनों को कई इवेंट्स में साथ देखा गया है और उनकी साथ में तस्वीरें भी काफी वायरल हो रही हैं। इसी बीच, उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर बहिया की कुछ ऐसी तस्वीरें सामने आई हैं, जिन्हें देखने के बाद फैंस ने यह अंदाजा लगाना शुरू कर दिया है कि दोनों शायद अलग हो गए हैं। इन तस्वीरों में कबीर बहिया किसी और लड़की की बाहों में नजर आ रहे हैं, जिससे ब्रेकअप की अटकलें तेज हो गई हैं। हालांकि, कबीर बहिया के करीबी सूत्रों ने इन बातों को अफवाह बताया और कहा कि वह लड़की उनके परिवार की ही दोस्त है, जिसे वह अपनी मुंहबोली बहन मानते हैं।

मुंबई की लोकल ट्रेन में गुजरे मेरे संघर्ष के दिन : रिद्धि डोगरा

रिद्धि डोगरा उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्हें सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में काम किया। अच्छी एक्टिंग की वजह से उन्हें शाहरुख खान जैसे बिग स्टार के साथ काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री की खास बात यह है कि वह आज सफल हैं। लेकिन, उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों को याद रखा है।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए भीड़-भाड़ वाली लोकल ट्रेनों में सफर करने के दिनों को याद किया। उन्होंने उन मुश्किलों का जिक्र किया, जिनका उन्होंने सामना किया और उस दृढ़ संकल्प के बारे में बताया, जिसने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में उनके रास्ते को आकार दिया।

रिद्धि ने लिखा कि मुझे हमेशा से जुलाई का महीना पसंद रहा है। इन तस्वीरों ने जुलाई के पुराने दिनों की यादें ताजा कर दीं। जुलाई 2005 में मेरी मुंबई की कहानी शुरू हुई थी। कॉलेज से नई-नई निकली थी और बड़ी दुनिया में पढ़ने, घूमने-फिरने, जीने और सीखने के लिए उत्सुक थी। इसीलिए, मैंने मुंबई को चुना। यह एक ऐसा शहर है, जो अनजाने में मुझे लंबे समय से बुला रहा था। मुझे इस शहर की हलचल भरी जिंदगी और आकर्षण में सुकून मिलता है। रिद्धि डोगरा ने लिखा कि लोकल ट्रेनें मेरी सबसे पसंदीदा जगह बन गई थीं। 2005 से 2007 के बीच मैं एक ही दिन में कई तरह के वाहनों से सफर करती थी। पहले कॉलेज जाती, फिर अपनी सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की नौकरी पर जाती। मैं पूरा समय ट्रेन की खिड़की से बाहर देखते हुए और अपने भविष्य के सपनों के बारे में सोचते हुए मुस्कुराती रहती थी। मुझे पूरा यकीन था कि मेरा भविष्य बहुत शानदार होने वाला है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि मैं अपनी किस्मत की खुद मालिक थी। आज जिसे हम विजुअलाइजेशन और मैनिफेस्टेशन कहते हैं, वह मैं उन दिनों रोज करती थी। लोग उसे 'दिन में सपना देखना' कहते थे। इस दौरान एक गाना मेरे आईपॉड पर सबसे ज्यादा चलता था। रिद्धि डोगरा को असुर में नुसरत, ऑल्ट बालाजी की द मैरिड वुमन में आस्था, स्टार प्लस की मर्यादाः लेकिन कब तक? में प्रिया और वो अपना सा में निशा का किरदार निभाने के लिए पहचान मिली।

स्कॉटलैंड की वादियों में खोईं निकिता दत्ता, शेयर की खूबसूरत तस्वीरें और अनुभव

अभिनेत्री निकिता दत्ता ने 'पोस्टकार्ड्स फ्रॉम स्कॉटलैंड' के अपने खूबसूरत अनुभवों की झलकियां साझा की हैं। निकिता ने इंस्टाग्राम पर स्कॉटलैंड की खूबसूरती और प्राकृतिक नजारों को दिखाने वाली शानदार तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने कई तस्वीरें पोस्ट कीं और उन्हें कैप्शन दिया 'स्कॉटलैंड से पोस्टकार्ड्स'। इन तस्वीरों में निकिता दत्ता खूबसूरत नजारों के बीच अलग-अलग पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक दिन पहले शुक्रवार को उन्होंने स्कॉटलैंड के खूबसूरत ग्रामीण इलाके का एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने बताया कि कैसे स्कॉटलैंड की यात्रा के दौरान छिपी हुई खूबसूरत जगहों की तलाश में थोड़ा आगे जाने पर वह भेड़ों के झुंड के बीच पहुंच गईं। क्लिप में उन्हें हरे-भरे पहाड़ों और खुले मैदानों में हाइकिंग करते हुए देखा गया।

गौरी के साथ आमिर खान के विवाह पर सोमी अली की प्रतिक्रिया, बोलीं- खुशी चुनने में कभी देर नहीं होती

गौरी स्प्रैट के साथ अभिनेता आमिर खान 5 जुलाई को शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। उनकी इस शादी को लेकर अब अभिनेत्री सोमी अली की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। सोमी अली की ओर से गौरी स्प्रैट और आमिर के लिए एक दिल को छू लेने वाला मैसेज शेयर किया गया। उन्होंने कैप्शन लिखा, 'खुशी चुनने में कभी देर नहीं होती।' उन्होंने आमिर और गौरी को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे साथ मिलकर एक खुशहाल और संतोषजनक नया अध्याय शुरू करेंगे। इंस्टाग्राम पर सोमी अली ने उनकी फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'गौरी और आमिर के लिए, प्यार किसी कैलेंडर को नहीं मानता। किसी भी उम्र में अपनी जिंदगी साझा करने के लिए साथी मिलना उतना ही खूबसूरत है जितना कि 20 साल की उम्र में मिलना। खुशी चुनने में कभी देर नहीं होती। प्यार के लिए खुला दिल जश्न मनाने की चीज है, आलोचना करने की नहीं। उम्र सालों में मापी जाती है, लेकिन प्यार पलों में मापा जाता है।'

सोमी अली ने आगे लिखा, 'अपना साथी पाने के लिए

बधाई। कुछ लोग सही इंसान की तलाश में पूरी जिंदगी बिता देते हैं। अगर वह सफर किसी भी उम्र में शादी तक ले जाता है, तो वह देर नहीं है। वह बिल्कुल सही समय है। नया अध्याय शुरू करने का साहस प्रेरणादायक है। आप दोनों को जीवन भर खुशी, हंसी और साथ मिले।

फोटो स्टोरी

मियामी में अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी केव वर्डे के खिलाफ मैच में गोल करने के बाद उत्साहित होते हुए।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

आत्मघाती हमले में पाकिस्तान के 30 से अधिक सैनिक मारे गए, बलूचिस्तान में बीएलए का घातक हमला

» इस्लामाबाद, यूटर्न/ 04 जुलाई ।

पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान का ग्वादर जिला शुक्रवार शाम एक भीषण और घातक हमले से दहल उठा, जिसकी जिम्मेदारी प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने ली है। रिपोर्ट के अनुसार, बीएलए ने दावा किया है कि उसके आत्मघाती और अत्याधुनिक हथियारों से लैस लड़ाकों ने ग्वादर के जीवामी स्थित पनवान इलाके में पाकिस्तानी कोस्ट गार्ड के एक बड़े कैंप पर हमला किया, जिसमें 30 से अधिक पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मी मारे गए और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

बीएलए ने अपने आधिकारिक बयान में

बताया कि इस सबसे खतरनाक और विशिष्ट ऑपरेशन को उनकी मजीद ब्रिगेड ने अंजाम दिया। संगठन के अनुसार, अताउल्ला बलूच उर्फ अजमल नाम के एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे एक माजदा ट्रक को कोस्ट गार्ड के भारी सुरक्षा वाले कैंप के भीतर घुसा दिया। स्थानीय समयानुसार शाम करीब 6:32 बजे हुए इस आत्मघाती हमले से एक अत्यंत शक्तिशाली धमाका हुआ, जिसने पूरे कैंप को झकझोर दिया। बीएलए के प्रवक्ता जियांद बलूच ने दावा किया कि इस विस्फोट के कारण कोस्ट गार्ड का मजबूत कैंप पूरी तरह से मलबे के ढेर में तब्दील हो गया। हमले की पुष्टि और प्रचार के लिए, बीएलए के मीडिया विंग हक्काल ने एक 4 सेकंड का वीडियो भी जारी किया है, जिसमें कथित तौर पर विस्फोटकों से भरे ट्रक को कैंप में घुसते और उसके तुरंत बाद हुए भीषण विस्फोट को दिखाया गया है। संगठन का दावा है कि बाद के दृश्यों में सैन्य कैंप का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह से तबाह नजर आ रहा है। आत्मघाती ट्रक बम धमाके से फैली तबाही और अफरा-तफरी के तुरंत बाद, बीएलए के फतेह स्क्वाड नाम के एक और हमलावर दस्ते ने मोर्चा संभाल लिया। बीएलए के बयान के मुताबिक, इस आत्मघाती हमले के बाद उनके लड़ाकों ने बेहद संगठित और तेजी से आगे बढ़ते हुए तबाह हो चुके कैंप पर चारों तरफ से धावा बोल दिया। संगठन ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने धमाके के बाद मलबे से निकले और जीवित बचे कोस्ट गार्ड के जवानों को आमने-सामने की जंग में घेर लिया। बीएलए प्रवक्ता ने कहा कि इस जमीनी कार्रवाई के दौरान 30 से अधिक सुरक्षाकर्मियों को मार गिराया गया है, और घायलों की नाजुक स्थिति व मलबे के नीचे दबे कर्मियों को देखते हुए मरने वालों की संख्या में वृद्धि होने की पूरी संभावना है।

बीएलए का दावा, 'पाकिस्तान गोस्ट गार्ड कैंप पर किए हमले में 30 सैन्य कर्मियों की मौत'

» क्वेटा, यूटर्न/ 04 जुलाई ।

प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि उसने बलोचिस्तान के ग्वादर जिले के जीवानी में पाकिस्तान कोस्ट गार्ड्स के एक शिविर पर हमला किया, जिसमें 30 से अधिक सुरक्षा कर्मी मारे गए और कई घायल हो गए।

बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलोच ने एक बयान में कहा, 'हमला शुक्रवार शाम पनवान क्षेत्र में हुआ, जहां संगठन की मजीद ब्रिगेड के एक सदस्य ने विस्फोटकों से लदे एक वाहन को कोस्ट गार्ड्स के शिविर में घुसाकर विस्फोट कर दिया।'

बयान में आगे दावा किया गया, 'विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि शिविर पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गया।'

बीएलए मीडिया विंग हक्काल की ओर से जारी 43 सेकंड के एक वीडियो में कथित तौर पर एक ट्रक को शिविर परिसर में प्रवेश करते और उसके तुरंत बाद बड़ा विस्फोट होते हुए दिखाया गया है। बाद के दृश्यों में परिसर को भारी नुकसान पहुंचते दिखा जा सकता है।

संगठन ने दावा किया, 'विस्फोट के बाद उसके फतेह स्क्वाड के लड़ाकों ने अलग-अलग दिशाओं से शिविर पर हमला किया और जीवित बचे सुरक्षा कर्मियों को निशाना बनाया।' बीएलए ने दावा किया कि इस हमले में 30 से अधिक पाकिस्तानी सुरक्षा कर्मी मारे

गए, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए और कुछ मलबे में फंसे रह गए। संगठन ने यह भी कहा कि घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

बीएलए ने कहा कि 'बलोचिस्तान की पूर्ण स्वतंत्रता' तक पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के खिलाफ उसके हमले जारी रहेंगे।

इससे पहले भी हथियारबंद समूह ने दावा किया था कि उसने 21 से 30 जून के बीच बलोचिस्तान के विभिन्न हिस्सों में 23 हमले किए, जिनमें उसके अनुसार 16 सुरक्षा कर्मी मारे गए और कई अन्य घायल हुए।

मीडिया को जारी एक बयान में बलोच लिबरेशन आर्मी प्रवक्ता जीयंद बलोच ने दावा किया था कि 21 से 30 जून के बीच चलाए गए अभियानों में सुरक्षा बलों, बुनियादी ढांचे तथा उन वाहनों को निशाना बनाया गया, जिन्हें संगठन ने तौर पर 'दमनकारी परियोजनाओं' से जुड़ा बताया। संगठन ने यह भी दावा किया कि उसने तथाकथित 'आर्थिक नाकेबंदी' के तहत प्रमुख मार्गों और व्यावसायिक वाहनों को भी निशाना बनाया।

कोल्ड स्टोरेज से सुरक्षित रखी खामेनेई की डेड बॉडी, केमिकल्स का उपयोग नहीं किया

तेहरान, यूटर्न/ 04 जुलाई । ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई का चार महीने के लंबे इंतजार के बाद राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि यह देश के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा आयोजन हो सकता है, जिसमें लगभग दो करोड़ शोक संतप्त लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। खामेनेई (86), जिन्होंने 37 वर्षों तक ईरान के राजनीतिक, सैन्य और धार्मिक संस्थानों पर सर्वोच्च अधिकार रखा, 28 फरवरी को तेहरान में अपने आवास पर अमेरिका और इजरायल के मिसाइल हमलों के दौरान मारे गए थे। उनका अंतिम संस्कार मूल रूप से मार्च के लिए तय किया गया था, लेकिन अमेरिका और इजरायल के साथ जारी युद्ध के कारण इसे बार-बार टाला गया। ईरानी अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि युद्ध से पैदा हुई सुरक्षा स्थिति के कारण यह देरी आवश्यक थी, और यह भी बताया कि खामेनेई के पार्थिव शरीर को धार्मिक आवश्यकताओं के अनुसार पूरे सम्मान के साथ सुरक्षित रखा गया था। खामेनेई की मौत के चार महीनों बाद अंतिम विदाई दिए जाने को लेकर सवाल उठ रहे थे कि इतने समय तक उनके पार्थिव शरीर को कैसे सुरक्षित रखा गया। इन सवालों के जवाब में अधिकारियों ने बताया है कि केमिकल का इस्तेमाल नहीं किया गया, बल्कि उनकी बॉडी को कोल्ड स्टोरेज के जरिए अब तक सुरक्षित रखा गया था।

ब्रिटेन में हिंदुओं को मंदिर के लिए जमीन नहीं मिली, चर्च और मुस्लिम समूह को दी गई लीज

लंदन, यूटर्न/ 04 जुलाई । ब्रिटेन के कैम्ब्रिजशायर स्थित नए शहर नॉर्थस्टोव में अपना पहला पूजा स्थल बनाने की कोशिश कर रहे ब्रिटिश हिंदुओं को एक बड़ा झटका लगा है। स्थानीय काउंसिल ने एक जमीन के टुकड़े को हिंदू चैरिटी को देने के बजाय एक चर्च और मुस्लिम ग्रुप को 999 साल के लिए लीज पर आवंटित कर दिया है। यह फैसला सामने आने के बाद इलाके में रहने वाले करीब 150 हिंदू परिवारों में काफी निराशा है, जो वर्षों से अपने सामुदायिक पूजा स्थल की तलाश में थे। दरअसल, साउथ कैम्ब्रिजशायर डिस्ट्रिक्ट काउंसिल ने 0.25 हेक्टेयर जमीन को नॉर्थस्टोव चर्च नेटवर्क (एनसीएन) को नाममात्र के किराए पर लंबी अवधि के लिए लीज पर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, स्थानीय निवासियों द्वारा बनाए गए 'हिंदू समाज नॉर्थस्टोव' (एचएसएन) ने भी इस जमीन के लिए बोली लगाई थी। एचएसएन ने यहां एक मंदिर के साथ-साथ सर्वधर्म और वेलबीइंग सेंटर बनाने का प्रस्ताव रखा था। हालांकि, बोलियों का आकलन करने वाले काउंसिल के अधिकारियों ने एचएसएन के प्रस्ताव को 65 प्रतिशत और एनसीएन के प्रस्ताव को 81 प्रतिशत अंक दिए, जिसके कारण जमीन चर्च नेटवर्क को मिल गई। सवाल उठा कि मुस्लिम ग्रुप कैसे इसमें हिस्सेदार बना? नॉर्थस्टोव चर्च नेटवर्क के प्रस्ताव में नॉर्थस्टोव के मुसलमानों को मुख्य किरायेदार (एंकर टेनेंट) के रूप में शामिल किया गया था।

डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में इबोला के 1,500 से अधिक मामले सामने आए

» किंशासा, यूटर्न/ 04 जुलाई ।

डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला के 1,502 कन्फर्म मामले सामने आए हैं, जिनमें 473 मौतें शामिल हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि यह प्रकोप अभी भी गंभीर बना हुआ है। डीआरसी के पब्लिक हेल्थ अधिकारियों की ओर से शुक्रवार (स्थानीय समय) को जारी ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, अभी 628 मरीज आइसोलेशन या अस्पताल में हैं और देश में 229 लोग ठीक हो चुके हैं। कुल 213 संदिग्ध मामले भी सामने आए हैं, जिनमें 63 मौतें शामिल हैं। एक ऑनलाइन मीडिया ब्रीफिंग में अफ्रीका के लिए डब्ल्यूएचओ के रीजनल डायरेक्टर मोहम्मद याकूब जनाबी ने कहा कि स्थिति गंभीर बनी हुई है और पूर्वी प्रांत इतुरी और नॉर्थ किवु में संक्रमण फैल रहा है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट

के अनुसार, जनाबी ने कहा कि यह मौजूदा प्रकोप अब तक का सबसे बड़ा बुंडीबुग्यो इबोला प्रकोप है। डीआरसी में डब्ल्यूएचओ के एक्सपर्ट पियरे अकिलिमाली ने कहा कि यह प्रकोप ऐसे इलाकों में फैल रहा है, जो असुरक्षा और हथियारबंद समूहों की गतिविधियों से प्रभावित हैं, जिससे मामलों का पता लगाना और कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग करना मुश्किल हो रहा है। इतुरी के कुछ प्रभावित इलाके माइनिंग जोन में हैं, जहां बाहर से लोगों के लगातार आने-जाने से वायरस के फैलने का खतरा बढ़ गया है।

प्रेसिडेंट ट्रंप उषा वेंस के पॉडकास्ट में हुए शामिल, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपतियों को लेकर की टिप्पणी

» वाशिंगटन, यूटर्न/ 04 जुलाई ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सेकंड लेडी उषा वेंस के बच्चों के पॉडकास्ट में हिस्सा लेते हुए अमेरिका के कई पूर्व राष्ट्रपतियों को लेकर दिलचस्प टिप्पणियां कीं। यह पॉडकास्ट शुक्रवार को जारी हुआ। इस दौरान उन्होंने अपने ऊपर भी हल्के-फुल्के अंदाज में मजाक किया और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बच्चों के लिए खास संदेश दिया।

राष्ट्रपति ट्रंप ओवल ऑफिस में रिकॉर्ड किए गए 'स्टोरीटाइम विद द सेकंड लेडी' के एक एपिसोड में उषा वेंस के साथ शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने व्हाइट हाउस हिस्टोरिकल एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित बच्चों की किताब 'प्रेसिडेंट्स प्ले!' पढ़ी। यह किताब अमेरिकी राष्ट्रपतियों की खेल और मनोरंजन संबंधी रुचियों पर प्रकाश डालती है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें अब भी मनोरंजन के लिए पढ़ने का समय

मिलता है, तो ट्रंप ने कहा, 'मैं ज्यादातर अखबार पढ़ता हूं। आमतौर पर मैं अपने बारे में छपी खबरें पढ़ता हूं।' किताब के पन्ने पलटते हुए ट्रंप ने कई पूर्व राष्ट्रपतियों का जिक्र किया। उन्होंने लिंडन बी. जॉनसन को 'बहुत टफ इंसान' बताया और रोनाल्ड रीगन को 'अच्छे गुणों वाला इंसान' कहा। हैरी ट्रूमैन के बारे में उन्होंने कहा कि उन्हें व्हाइट हाउस के परिसर में घूमना पसंद था। बिल क्लिंटन का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा, 'वह वास्तव में एक अच्छे इंसान थे। मुझे बिल क्लिंटन बहुत पसंद हैं।'

संक्षिप्त खबरें

मिशिगन के शॉपिंग मॉल में गोलीबारी, दो की मौत, एक घायल

वाशिंगटन, यूटर्न/ 04 जुलाई । अमेरिका के मिशिगन राज्य में एक शॉपिंग मॉल में हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। सीबीएस न्यूज ने स्थानीय पुलिस के हवाले से यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह गोलीबारी शुक्रवार को दोपहर करीब 1:25 बजे मिशिगन के डियरबॉर्न में फेयरलेन टाउन सेंटर में हुई। बाद में पुलिस ने बताया कि दो लोगों को डियरबॉर्न पुलिस विभाग ने हिरासत में लिया है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, मामले की जांच चल रही है और जासूस गवाहों से पूछताछ कर रहे हैं। यह घटना दो समूहों के बीच बहस से शुरू हुई और फिर गोलीबारी में बदल गई। पुलिस के मुताबिक, इसमें शामिल दोनों पक्षों के लोग मॉल में हैंडगन लेकर आये थे। पुलिस ने बताया कि तीनों पीड़ित युवा पुरुष हैं।

वेनेजुएला भूकंप में मरने वालों की संख्या 2,645 तक पहुंची, रेस्क्यू ऑपरेशन अब भी जारी

काराकास, यूटर्न/ 04 जुलाई । वेनेजुएला की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिगेज ने कहा कि 24 जून को वेनेजुएला में आए दोहरे भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,645 हो गई है और 12,666 लोग घायल हुए हैं। कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज अस्थायी कैंप बनाने के कमांड सेंटर की भी प्रमुख हैं। उन्होंने शुक्रवार को टेलीग्राम पर पोस्ट किए गए एक अपडेट में कहा कि 6,462 लोगों को बचाया गया है और 86,117 परिवारों को मदद मिली है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने कहा कि भूकंप से 885 बिल्डिंग को नुकसान पहुंचा और 189 इमारतें गिर गईं। इसके साथ ही अधिकारियों ने इस आपदा से प्रभावित लोगों के रहने के लिए 59 अस्थायी कैंप बनाए हैं। रोड्रिगेज ने कहा कि शक्तिशाली भूकंप के बाद से वेनेजुएला में 890 आफ्टरशॉक रिकॉर्ड किए गए हैं।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *